वर्ष-3, अंक-247
इन्दौर, शुक्रवार
22 नवम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

अडानी पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप

गिरफ्तारी वारंट जारी, अमेरिकी कोर्ट में हुई सुनवाई, अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मशहूर उद्योगपति अडानी समेत कई लोगों ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल करने के लिए 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा की रिश्वत देने का वादा करने का मामला उजागर हुआ है। अब अडानी ग्रुप के चेयरमैन और देश के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अडानी बड़ी मुसीबत में घिरते नजर आ रहे हैं। गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अमेरिका में अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। इस मामले में अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई। अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। इस मामले में नाम आने के बाद अडानी ग्रुप ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसमें आरोप लगाया गया है कि अडानी ग्रुप ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अडानी ने बुधवार को ग्रीन एनर्जी में निवेश की घोषणा की थी। यह घोषणा तब की गई जब कंपनी के अध्यक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी। इस मामले की बात करें तो अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से बनाए गए मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। अडानी और अन्यों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे और भ्रामक बयानों से अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से फंड लिया। इसके बाद उस रकम का इस्तेमाल रिश्वतखोरी में किया। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने लगभग 265 मिलियन डॉलर (करीब 2237 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि इन कॉन्ट्रैक्ट से दो दशकों में 2 बिलियन डॉलर (करीब 16882 करोड़ रुपये) का मुनाफा होगा। अभियोक्ताओं का दावा है कि इस योजना में शामिल कुछ लोगों ने गौतम अडानी को संदर्भित करने के लिए न्यूमेरो यूनो और द बिग मैन जैसे कोड नामों का इस्तेमाल किया।

इन पर लगे हैं आरोप

अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय (न्यूयॉर्क) के अनुसार, रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के मामले में भारत से गौतम एस.अदानी,सागर एस. अडानी,विनीत एस. जैन, रंजीत गुप्ता,सौरभ अग्रवाल,दीपक मल्होत्रा,रूपेश अग्रवाल के अलावा फ्रांस/ऑस्ट्रेलिया के सिरिल कैबनेस का नाम शामिल है।

भतीजे पर भी लगा आरोप

अभियोग में यह भी आरोप लगाया गया है कि अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और एक अन्य कार्यकारी विनीत जैन ने अडानी ग्रीन एनर्जी के लिए 3 बिलियन डॉलर से अधिक के लोन और बॉन्ड हासिल करने के लिए ऋणदाताओं और निवेशकों से रिश्वत की बात छिपाई। ये आरोप विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के अंतर्गत आते हैं, जो विदेशी व्यापार सौदों में रिश्वतखोरी के खिलाफ एक अमेरिकी कानून है।रिपोर्ट में कहा गया है कि गौतम अडानी और सागर अडानी के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं।

PM मोदी अडाणी को बचा रहे

छोटा अपराध करने पर भी जेल हो जाती है, अडाणी 2000 करोड़ का घोटाला करके भी बाहर

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में बिजनेसमैन गौतम अडाणी पर लगे करप्शन के आरोपों पर राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- अडाणी जी 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे हैं और बाहर घूम रहे हैं, क्योंकि पीएम मोदी उन्हें प्रोटेक्ट कर रहे हैं।

गौतम अडाणी ने अमेरिका में क्राइम किया है, लेकिन भारत में उन पर कुछ नहीं हो रहा है। अडाणी की प्रोटेक्टर SEBI की चेयरपर्सन माधबी बुच पर केस होना चाहिए। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिकी कोर्ट में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। 24 अक्टूबर 2024 को यह मामला रु कोर्ट में दर्ज किया गया, जिसकी सुनवाई बुधवार को हुई। अडाणी के अलावा इसमें शामिल 7 अन्य लोग सागर अडाणी, विनीत एस जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल हैं।

पटना जा रही बस पलटी, 12 की मौत

हजारीबाग (एजेंसी)।

कोलकाता से पटना जा रही एक बस गोहर में पलट गई। इससे 12 यात्रियों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए हैं। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह सड़क हादसा झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार तड़के हुआ है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोग दुर्घटनाग्रस्त बस से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास करते दिखे। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाने की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आसपास के प्राइवेट क्लिनिकों और सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने देखा कि एक बस अचानक अनियंत्रित हो गई और पलट गई। उन्होंने अंदेशा जताया है कि रोड पर कोहरा और धुंध का प्रभाव होने के चलते विजिविलिटी बहुत कम था, जिसके चलते चालक का बस से संतुलन खो बैठा, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बस की स्पीड ज्यादा दिख रही थी। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने के बाद राहत बचाव कार्य शुरू हो पाया। हालांकि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हादसे में जान गंवाने वाले बस यात्री कहां के रहने वाले थे।

हजारीबाग में यात्रियों से भरी बस पलटी, 6 की मौत

हजारीबाग (एजेंसी)।

हजारीबाग में गुरुवार सुबह कोलकाता से पटना जा रही यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में 6 पैसेंजर्स की मौत हो गई। जबकि, 11 लोग जख्मी हो गए। इनमें से 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सभी कोलकाता से पटना जा रहे थे। मरने वालों में 4 यात्री पटना के थे। हादसा बरकट्ठा के गोरहर थाना क्षेत्र में हुआ। बताया जा रहा है कि बस की स्पीड ज्यादा थी। ड्राइवर को झपकी लग गई। अचानक सामने आए गड्ढे को बचाने के दौरान बस पलट गई। दुर्घटनाग्रस्त बस का नाम वैशाली है। ज्यादातर लोग बस के अंदर दब गए थे, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 2 मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

हरियाणा चुनाव EVM हैकिंग मामला हाईकोर्ट पहुंचा

हिसार। हरियाणा विधानसभा चुनाव में ईवीएम हैक का मामला अब पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने दावा किया है कि चुनाव में 14 विधानसभा सीटों पर धांधली की गई है, जिसके लिए पार्टी के पास पर्याप्त सबूत हैं। कांग्रेस ने जिन 14 सीटों पर ईवीएम हैकिंग का दावा किया है, उनमें 4 सीटें ऐसी हैं, जिन पर जीत-हार का अंतर 3000 से कम है। वहीं, एक विधानसभा सीट ऐसी भी है, जिस पर भाजपा उम्मीदवार ने महज 32 वोटों से जीत दर्ज की है।

कानपुर में जहां EVM रखी, उसका CCTV बंद

सपा बोली- BJP पुलिस के दम पर वोटर को रोक न पाई

कानपुर (एजेंसी)।

कानपुर में सीसामऊ उपचुनाव के बाद गुरुवार सुबह भी माहौल गरमा गया। गल्लामंडी जहां पर EVM जमा की गई है, वहां का CCTV बंद हो गया। इसके बाद सपाइयों ने DM से लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव तक से शिकायत की और हंगामा किया। शिकायत और हंगामे के करीब डेढ़ घंटे बाद CCTV शुरू हो पाया। उधर, सपा मीडिया सेल ने बंद CCTV का वीडियो शेयर किया। लिखा- पुलिस की दम पर वोटर्स को नहीं रोक पाए तो अब CCTV बंद कर दिया है। अब EVM के जरिए BJP और चुनाव आयोग खेल खेलना चाहती है।

गल्लामंडी में टीवी पर CCTV का सीधा प्रसारण

वोटिंग के बाद गल्लामंडी मतगणना स्थल पर EVM को कड़ी सुरक्षा में सील करके रख दिया गया है। किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो सके, इसके लिए गल्लामंडी में फोर्स के साथ ही CCTV भी लगाए गए हैं।उसका सीधा प्रसारण भी वहां मौजूद कार्यकर्ताओं के सामने टीवी लगाकर स्क्रीन पर किया।

गाजा में इजरायली हमलों में पन्द्रह फ़िलिस्तीनी मारे गए

गाजा। दक्षिणी और मध्य गाजा पट्टी में दो इजरायली हवाई हमलों में बुधवार को कम से कम 15 फ़िलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली विमानों ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर को निशाना बनाया। गाजा में नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में बताया कि उसके कर्मचारियों ने चिकित्सा टीमों के साथ मिलकर बच्चों सहित सात पीड़ितों के शव बरामद किए और कई घायलों को अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया।

पाकिस्तान में आत्मघाती

बम विस्फोट में 12 सैनिकों की मौत

खैबर पख्तूनख्वा (एजेंसी)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बन्नू जिले के माली खेल इलाके में एक जांच चौकी को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 सैनिकों की मौत हो गयी और छह आतंकवादी मारे गये। डॉन अखबार ने सेना की मीडिया मामलों की शाखा के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों, अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सुरक्षा चौकियों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हमलों की संख्या में तेजी देखी गयी है। अशांत बन्नू जिले में हाल ही में आतंकवादी हिंसा में वृद्धि देखी गई है, जिसमें पुलिसकर्मियों का अपहरण, छात्राओं के स्कूल पर हमला और गोलीबारी शामिल है जिसमें तीन सुरक्षाकर्मी मारे गये थे।

इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 49 हुयी

दमिश्क, (एजेंसी)। मध्य सीरिया के पलमायरा शहर और उसके आसपास बुधवार को हुए इजरायली मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है, जबकि 50 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं।

इजरायली हमलों में पन्द्रह फ़िलिस्तीनी मारे गए

गाजा (एजेंसी)। दक्षिणी और मध्य गाजा पट्टी में दो इजरायली हवाई हमलों में बुधवार को कम से कम 15 फ़िलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली विमानों ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर को निशाना बनाया। गाजा में नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में बताया कि उसके कर्मचारियों ने चिकित्सा टीमों के साथ मिलकर बच्चों सहित सात पीड़ितों के शव बरामद किए और कई घायलों को अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया।

अलीगढ़ में बस और ट्रक में भिड़ंत, पांच मरे

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के टप्पल क्षेत्र में बस और ट्रक की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे के 56 नंबर प्वाइंट पर बीती देर रात यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली से आजमगढ़ जा रही डबल डेकर बस ने एक ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य घायल हो गये। मृतकों में एक मासूम समेत तीन लोगों की पहचान की गयी है। मृतकों में पारुल (25), उसका पांच माह का बेटा आरोह और प्रतापगढ़ के हसमुख सरोज शामिल है। घायलों में 11 माह की बच्ची, एक छोटी लड़की, पांच वर्ष का बच्चा, तीन महिलाएं और नौ पुरुषों को जेबर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस फैजाबाद के कृष्णा ट्रेवल्स की बताई जा रही है जबकि ट्रक में बीयल की केन का स्क्रैब लदा था। हादसे के कारण कुछ समय के लिये यातायात बाधित किया हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर बस और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को किनारे कर यातायात बहाल करा दिया है।

रानवाला चुने गए श्रीलंका के नए संसद अध्यक्ष

कोलंबो। श्रीलंका की10वीं संसद की गुरुवार को हुई पहली बैठक में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के अशोक रानवाला को संसद का स्पीकर चुना गया। श्री रानवाला को प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या द्वारा नामित किया गया।

संपादकीय

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकर्ताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं।

कहानी

मुझे चैन से मरने दो

मैं आज सुबह-सुबह अपने घर के छत पर टहल रह था,तभी देखा उसरी नदी में बाढ़ आ गई है। बरसात का दिन था,नदी के उस ओर कुछ विद्यार्थी विद्यालय जाना छोड़ स्नान का आनंद लेने के लिए आए थे।मुझे अपना विद्यार्थी जीवन याद आ गई थी। नदी स्नान का आनंद इसी तरह लिया करते थे। बच्चे स्नान कर रहे थे,आनंद ले रहे थे।तभी अचानक बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।मैं हड़बड़ा गया,मुझे लगा कोई स्नान करते हुए बह गया है।तुरन्त नदी की तरफ लपका।पत्नी चिल्लाई,अजी !कहाँ जा रहे हैं जी? मैं भागते हुए बोला, नदी में कोई बच्चा बह गया है, उसे बचाने जा रहा हूँ।अरे !आप डायबिटीज के मरीज हैं,अभी नाश्ता भी नहीं किए हैं और चले बच्चा बचाने, कुछ सुनते क्यों नहीं जी?अरी! भगवान,तुम हमेशा मुझे रोकती-टोकती रहती हो।अभी किसी की जान बचाने की बात है,मुझे जाने दो....इतना बोलते-बोलते मैं निकल गया।बाहर नदी किनारे भीड़ इक्कठी हो गई थी,सभी चिल्ला रहे थे पर नदी में कूद उस बच्चे को बचाने की कोशिश कोई नहीं कर रहा था।मैंने गमछा अपने सिर पर बाँधा और छपाक से नदी में कूद गया,बच्चे को बचाने के लिए।मैं तेजी से तैरने लगा और जल्द ही बच्चे के नज़दीक पहुँच गया।पहले अपने सिर पर बाँधे गमछे को उसे पकड़ने के लिए दिया,बोला, बेटा परेशान मत हो,मैं आ गया हूँ तुझे कुछ न होने दूँगा तुम देश के भविष्य हो,डरना मत।पर बच्चा हताश हो गया था बहुत पानी पी चुका था।मैं उसके नजदीक जा उसे अपने पीठ पर ले लिया और तैरते हुए किनारे की तरफ जाने लगा।बच्चा डरा हुआ था उसने जोर से मेरी गर्दन को पकड़ कर खुद को बचाने लगा।किनारा दूर होने की वजह से तथा अधिक तैरने की वजह से मैं बहुत थक चुका था।आगे रेलवे पुल के पास लोगों ने हम दोनों को निकाला।बच्चा बच गया था और मैं लाश बन चुका था। आँगन में मेरी लाश रखी गई।पत्नी रो-रोकर कह रही थी,अगर आप मेरी बात मान लिए होते तो आज मैं विधवा नहीं होती।हे!भगवान आपने मेरे साथ यह क्या किया? पत्नी की चीत्कार सुनकर मुझसे मरा नहीं जा रहा था।मैं कुछ देर के लिए उठा और कहा,अरी भाग्यवान कम-से-कम अब तो मुझे चैन से मरने दो।मैंने किसी की जान बचाकर खुद को मुक्त किया है, अब तुम भी मुझे मुक्त करो।और मैं पुनः मर गया।

महेश अमन
रंगकर्मी सह कवि
गिरिडीह झारखण्ड

ला ईलाज हो चुका स्मॉग प्रदूषण

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें की ख़बरें मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना ज़रूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी ज़हरीला भी होता जा रहा है।

इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का ख़ामियाज़ा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों ख़राब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इज़ाफ़ा होने लगा है।

स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीज़ों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक़्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं।

पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब ख़बर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है। सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस ज़हरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये ज़िम्मेदार कौन है।

सर्दियों की शुरुआत में हमेशा टी वी व अख़बारों में यह सुर्ख़ियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक एक्यूआई होना चाहिये। 50 से कम एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के क़रीब पहुँच गया।

सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति

के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस ज़हरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज़ हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती। कभी स्कूल्स में छुट्टी कर,कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के ज़िम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फ़सलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेख़ौफ़ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़,पॉलीथिन,प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाज़ी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं।

बल्कि हर साल आतिशबाज़ी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाज़ी चलाने को लेकर ज्ञान देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा।

गुरपूरब पर होने वाली आतिशबाज़ी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब् बरात हो या नया साल,रोज़ होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाज़ी से अछूता नहीं है। और ज़ाहिर है ऐसी आतिशबाज़ीयों का एक ही परिणाम है, ज़हरीला धुआं,जान लेवा प्रदूषण,स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग।

जिसतरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व क़स्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित ख़बरें लेख व परिचर्चाएं वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश ख़त्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आग़ाज़ में हर वर्ष यही प्रदूषण व ज़हरीले धुएं की चर्चा सुर्ख़ियों में आ जाती है।

इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाज़ियों से परहेज़ के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फ़सलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है।

धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है।

यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि स्मॉग प्रदूषण अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

निर्मल रानी

जैसे ही मैं बैठक से बाहर निकला, देखा मंगू चाय की ट्रे के साथ भीतर से आता दिखा। चाय का प्याला थमाते हुए कुछ कहने की मुद्रा में प्याली लिए बैठकर चाय की चुस्की में ध्यानस्थ हो गया। क्या कोई चिंता का विषय है? योग मुद्रा में बैठते हुए बोला, हमारे मंत्री जी गंभीर रूप से बीमार हैं जिन्हें ठीक करने के लिए वैद्य, फिजीशियन, सर्जन, फिजियोथैरेपिस्ट, मनोचिकित्सक, झाड़ फूंक वाले ओझा, नर्स, कम्पाउन्डर यानी पूरा स्वास्थ्य विभाग का अमला इलाज में जुटा है परंतु बीमारी पकड़ में नहीं आ रही।

क्या कुछ बोल भी रहे हैं? बड़बड़ा रहे हैं,अब मैं ठीक नहीं होऊंगा , पकड़ो मुझे वो वो जम(यमराज) देखो ले जा रहा है मुझे मार रहा है और कराहते हुए आंखें मूंदें शांत, थोड़ी देर में खिलखिलाना, मुस्कराना, फिर न समझ पाने की भाषा में बड़बड़ करना।

सभी परेशान नजर आ रहे हैं। कुछ नहीं समझ पा रहे। याद है तुम्हें जब पहले कार्यकाल में शिक्षा मंत्री थे, पेपर लीक चर्चित घोटाला व शिक्षण सामग्री घोटाले में लिप्तता पाई जाने पर ऐन केन प्रकारेण बच निकले थे, परंतु मामला कोर्ट में जाने से हाल ही में आए निर्णय में घोटाला माफिया के सरगना के रूप में पुष्टि हुई है, शायद उसी के प्रभाव में आने से विचलित हैं। क्या यह भी किसी बीमारी की श्रेणी में आता है मास्टर जी? बीमारियों के मान से मरीज़ के भी कई प्रकार होते हैं जैसे सोमनिया, इन्सोम्निया, डिप्रेशिया, क्लेप्टोमेनिया (चौर्योन्माद) स्कैंडल फोबिया, करेप्टकोफोबिया और सबसे महत्वपूर्ण पोलिटिकोफोबिया है।

इनसे पीड़ित मरीजों की बीमारी लाइलाज है जो चिकित्सा विशेषज्ञों की समझ के बाहर है। शायद इनमें से किसी एक या मिश्रित बीमारी से मंत्री जी पीड़ित हैं।

फिर ऐसे मरीज का क्या इलाज है? प्रथम तीन प्रकार के मरीज योगाभ्यास से ठीक हो सकते हैं परंतु शेष बीमारी का मरीज जेल की सलाखों के पीछे ही ठीक हो सकता है जब नेताई पोशाक की जगह जेल मेन्युअल की पोशाक क पहनाकर

इलाज किया जाता है। मास्टरमाइंड गुरु जी! आप कुछ उपाय निकालो ताकि मंत्री जी को इलाज के लिए जेल न जाना पड़े।

सुनकर तेरा पसीना छूट रहा है शायद। तुम पर भी घोटालों की आंच पड़ती नजर आ रही है। चिंता मत करो मंगू सिंह पटेल! एक उपाय

बताया हूं पहले वे कोर्ट से अग्रिम जमानत करा लें। कहते ही मंगू...

हां वो तो करा ली है। अच्छा!

अब मंत्री जी को सलाह दो सरकारी गवाह बनने की जिसमें वह परीक्षा प्रभारी अधिकारी, शिक्षण सामग्री क्रय समिति के प्रमुख सचिव, खजांची और जो भी घोटालों में सम्मिलित हों, जिनकी जानकारी मंत्री जी के पास है, उन पर सारा मामला थोप दें और आराम से पंचवर्षीय कार्य काल के शेष वर्षों में विभाग को आबंटित शेष राशि चारा समझ कर चुगते रहें अगले चुनाव खर्च के लिए।

झूठे फंस जाएंगे अधिकारी, क्योंकि?? प्रकरण के? प्रमुख हीरो तो .. ठीक है समझ गया तुम्हारे इशारे को। सरकार चलाने वाले होते हैं सचिव स्तर के अधिकारी, वे ही योजनाएं नियम कानून बनाते हैं, मंत्री तो केवल अनुमोदन पर चिड़िया बिठाने का काम करते हैं। अधिकारी ही घोटालों का षड़यंत्र रचते?

हैं, वे भी? घोटालों के मरीज हैं, जो? जांच में लगे आरोपों को घोंट कर पीकर ठीक हो जाते हैं। ऐसे मरीज रोटी की तरह नोट और वोट दोनों ही चट? कर जाते हैं, इनका हाजमा बहुत प्रबल होता है मंत्रियों जैसा। मंगू गहरी सांस छोड़ते हुए मुस्कुरा कर चल दिया। आजकल मंत्री जमानत पर सरकारी गवाह बने सुरक्षा कवच में सुरा सुंदरी की मस्ती छान रहे हैं। कौन जाने ये? सब सुविधाएं जेल की? सलाखों में मिलें या न मिलें।

ये तो? बेचारी जनता है जो बुखार तक नहीं झेल पाती और पैसे के अभाव में आजीवन मरीजी जीवन काटने को मजबूर। उनके लिए नीचे धरती ऊपर आसमां । मंत्री जी के तो बल्ले-बल्ले ..

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
मिलन हाइट्स इंदौर

कहानी

सुरक्षा घेरा

अविनाश ने दो टूट जवाब दिया- तुम और आर्ची पार्टी में नहीं जाओगी, यह मेरा फैसला है। और वह ऑफिस के लिए निकल गया। चारूदत्ता सन्न रह गई। आखिर क्या हो गया है अविनाश को? पार्टी में जाने के लिए मना कर दिया। कितनी उत्सुक थी, वह और आर्ची मिस्टर डिसूजा और उनके परिवार के लोगों से मिलने के लिए?। मिस्टर डिसूजा का परिवार अभी एक महिने पहिले ही इस कॉलोनी में रहने के लिए आया है। उनके फ्लेट से आती रंग-बिरंगी रोशनाई, और हर समय गूंजता मीठा संगीत, दरवाजे पर खड़ी मेंहगी गाड़ी, उसे और आर्ची को आकर्षित कर रहै थे, और वे हमेशा उनके घर जाने के लिए लालायित रहती थी। कल जब मिस्टर डिसूजा ने उन्हें पार्टी का निमंत्रण दिया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। मगर उनके उत्साह पर अविनाश ने पानी फैर दिया। चारूदत्ता गुस्से में भुनभुना रही थी और कह रही थी कि पता नहीं क्या समझते हैं ये अपने आप को?बस अपना निर्णय सुना दिया। ये पुरूष भी ना...... इस पुरूष शब्द पर उसकी सुई अटक गई.....! सामने देखा तो माँ की तस्वीर मे माँ जैसे उसे देखकर मुस्कुरा रही थी। वह एकटक तस्वीर की ओर देख रही थी और मन अतीत की विथियों में गोते खाने लगा। उसे याद आया अपना बचपन जब वो पॉचवी में पढ़ती थी, और एक दिन उछलती कूदती स्कूल से घर पर आई थी। माँ ने पूछा था-क्या बात है चारूदत्ता क्या आज स्कूल में कोई किला फतह करके आई हो क्या? बड़ी प्रसन्न नजर आ रही हो। उसने इतराते हुए कहा था - प्रसन्नता की बात तो है माँ। आज हमारी कक्षा में प्राचार्य महोदया आई थी, और उन्होंने कक्षा में सभी बच्चों से पूछा। स्त्री और पुरूष के स्वभाव में क्या अन्तर होता है? बस मैंने ही हाथ ऊंचा किया था, उन्होंने मुझसे पूछा और मैंने बताया तो उन्होंने मुझे शाबासी दी। अच्छा, अब बताओ मेरी समझदार बेटी! तुमने क्या जवाब दिया? देखो मम्मा मैंने कहा-स्त्रिया गुस्सा नहीं करती है, बहुत प्यार करती है, दयालु होती है। पुरूष अकड़ू होते हैं, गुस्सा करते हैं, उनसे डर लगता है। फिर मैडम ने पूछा- तुम ऐसा कैसे कह सकती हो? मैंने कहा-मेरे घर में मेरी मम्मी और दादी मुझे बहुत प्यार करती है, कभी नहीं डाटती हैं। दादाजी और पापा बहुत गुस्सा करते हैं, उनसे कुछ पूछने मे डर लगता है। मेरा भाई है, वह भी मुझसे हमेशा लड़ाई करता है। भाई रजत जो छठी कक्षा में पढता था, उसकी बातें सुनकर गुस्सा हो गया। बोला-तू हमारी सबकी स्कूल में बुराई करके आ गई। देखो ना माँ आपकी लाड़ली ने क्या किया है? माँ ने कहा- बेटा रजत तुम चुप रहो, मैं चारूदत्ता से बात करती हूँ। अच्छा फिर तुम्हारी प्राचार्य मेडम जी....ने क्या कहा? कुछ नहीं। बस मेरे सिर पर हाथ रखा और चली गई। बेटा!

तुमने कभी सोचा कि तुम्हारे दादाजी और पापा गुस्सा क्यों करते हैं? डाटते क्यों है? उनका स्वभाव सख्त क्यों है? नहीं मॉ। बेटा उन पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी होती है, उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वो अगर डाटते हैं तो तुम्हारी भलाई के लिए डाटते हैं, वे तुम्हें गुणवान और आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अगर वे भी दादी और मेरी तरह तुम्हें कुछ नहीं कहेंगे तो तुम, मनमानी करोगी, तुम्हें सही गलत का विचार ही नहीं रहेगा। बेटा तुम्हारे दादाजी तुम्हें डाटते हैं, तो प्यार भी कितना करते हैं। वे तुम्हारे लिए कितने सारे फल और मिठाई लाते हैं। पहले तुम्हें खिलाते हैं, फिर खाते हैं। अगर घर में कोई समस्या आती है,और मुझे भी समझ में नहीं आता है, तो मैं तुमसे क्या कहती हूँ, बेटा तुम्हारे पापा को आने दो, वे हमारी परेशानी दूर कर देंगे। उन पर हमारे भरणपोषण और हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। ऑफिस में भी उन पर कई जवाब दारी होती है, इसके कारण उनका स्वभाव ऊपर से सख्त दिखता है, उन्हें हम सबकी चिन्ता रहती है। उस दिन विद्यालय मैं तुम्हारा राज से झगड़ा हुआ था,तो तुम्हारे पापा ने कितनी आसानी से सुलझा दिया था। रजत तुमसे घर में लड़ाई करता है, मगर जब तुम बाहर खेलने जाते हो, वह हमेशा तुम्हारी रक्षा करता है। बेटा! तुम्हें अपने दादाजी, पापा और भैया की अच्छाइयों को भी देखना चाहिए। तुमने तो प्राचार्य महोदया के सामने सबकी बुराई कर दी। क्या तुमने ठीक किया? मुझे माफ करदो मम्मा, कल मैं प्राचार्य महोदया के सामने सारी बातें करूँगी। शाबाश बेटी!चारूदत्ता को अपनी माँ की शाबाशी याद आई और विचारों ने पलटी खाई। वह सोचने लगी, अविनाश ने अगर वहाँ जाने के लिए मना किया है तो उसका कोई कारण जरूर होगा। वैसे तो वे कहीं जाने के लिए मना नहीं करते हैं। वह विचारों में खोई थी, तभी आर्ची ने आकर कहा-मम्मा आज पार्टी में क्या पहन कर जाऊँगी? बेटा! हम पार्टी में नहीं जाऐंगे। तुम्हारे पापा ने मना किया है। जरूर, कुछ सोच समझ कर ही मना किया होगा। आर्ची का मन उदास हो गया। तभी अविनाश का फोन आया- चारू तुम और आर्ची तैयार रहना मैं ऑफिस से घर आ रहा हूँ, आज हम फिल्म देखने चलेंगे। रात मे तीनों ने फिल्म देखी, होटल में भोजन किया और घर आ गए। दूसरे दिन चारूदत्ता को कॉलोनी की औरतों ने बताया कि मिस्टर डिसूजा के यहाँ रातभर पार्टी चलती रही। हम लोग गए थे मगर माहौल इतना खराब था कि हम लोग जल्दी वापस आ गए। शराब पीकर सब ऐसे झूम रहैं थे,कि स्त्री पुरुष के मध्य कोई मर्यादा ही नहीं रह गई थी, न उन्हें अपने कपड़ो का भान था, न कुछ होश था। हम वहाँ जाकर पछताए, तुम और आर्ची वहाँ नहीं आए तुम्हारा निर्णय सही रहा। चारूदत्ता को एक बार फिर अपनी

माँ की शिक्षा याद आई। अपने पति पर गर्व हुआ। उसे लगा कि वह और आर्ची अविनाश की नजरों के सुरक्षा घेरे में सुरक्षित है। वे अगर किसी बात के लिए मना करते हैं तो उसका कोई कारण होता है, ठीक वैसे ही जैसे बचपन में उसके दादाजी और पापा उसे किसी बात के लिए मना करते थे, और जिद करने पर डाट पढ़ती थी। स्त्री के आसपास पुरूषकी सुरक्षा का घेरा होता है और वह सुरक्षित रहती है। (आज के समय में कुछ लोगों की सोच और मान्यताओं में अन्तर आ गया है,हो सकता है मेरी कहानी किसी को ठीक न लगे,पर अपने-अपने विचार है। आज की नारी सक्षम है।मगर, अगर उसके साथ पुरूष का साथ है वह किसी भी रूप में हो पिता, भाई, पति, बेटा तो एक सुरक्षा का घेरा आसपास अनुभव होता है। मुझे आप सबकी प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन का इन्तजार है।कुछ गलत लिखा हो तो क्षमा करना)

पुष्पा जोशी(एडव्होकेट)
1393,डी सेक्टर, सुदामा नगर,
इन्दौर(म.प्र.)

सीआईआई द्वारा क्षेत्रीय रक्षा एमएसएमई कॉन्क्लेव इंदौर में संपन्न हुआ

इंदौर। क्षेत्रीय रक्षा एमएसएमई कॉन्क्लेव आज ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में संपन्न हुआ। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एमपीआईडीसी), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय रक्षा निर्माताओं की सोसायटी (एसआईडीएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह कॉन्क्लेव एमएसएमई को रक्षा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। पूरे दिन, उपस्थित लोगों ने खरीद प्रक्रियाओं, गुणवत्ता आश्वासन, वित्त पोषण के अवसरों और रक्षा व्यवसाय में आने वाले अवसरों पर प्रकाश डालने वाले व्यावहारिक सत्रों से लाभ उठाया। इस कार्यक्रम में एक गतिशील उत्पाद प्रदर्शन भी शामिल था, जिसमें एमएसएमई और स्टार्ट-अप द्वारा रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश किए गए अभिनव समाधान और क्षमताओं का

प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन की शुरुआत रक्षा मंत्रालय की डीडीजी (आई एंड एफ) सुश्री मुदिता मिश्रा द्वारा संबोधित एक आकर्षक सत्र से हुई, जिसमें उन्होंने एमएसएमई के माध्यम से खरीद वरीयता के लिए

विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। स्वदेशीकरण पर, उन्होंने सृजन पोर्टल का अवलोकन दिया, जिसमें स्थानीयकरण के लिए 24000 से अधिक उत्पाद उपलब्ध थे। गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के संयुक्त नियंत्रक श्री आर. एन. अपराजित ने रक्षा विनिर्माण में कड़े गुणवत्ता उपायों के महत्व का व्यापक अवलोकन प्रदान किया, जिसमें डिजाइन चरण से उत्पादन तक स्थिरता और परिशुद्धता की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष और एसआईडीएम सदस्यता समिति के अध्यक्ष प्रवीण तोशनीवाल ने रक्षा क्षेत्र में एक सुविधाकर्ता के रूप में सीआईआई और एसआईडीएम के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। सीआईआई मालवा जोन के अध्यक्ष श्री अक्षत चोरडिया ने सम्मेलन जैसे मंच बनाने के लिए सीआईआई और एसआईडीएम के प्रयासों का उल्लेख किया, जो उद्योग के हितधारकों, नीति निर्माताओं और खरीद अधिकारियों के बीच सार्थक बातचीत को सक्षम बनाता है, जिससे क्षेत्र में सहयोग और विकास को बढ़ावा मिलता है।

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से, 4 अप्रैल तक चलेंगी

इन्दौर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया। परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी। 10वीं की परीक्षा 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 4 अप्रैल तक चलेंगी। पिछले परिणाम छह महीने पहले ही आए थे। इसमें मध्यप्रदेश देश में 30वें नंबर पर था। दोनों ही कक्षाओं में प्रदेश में लड़कियों ने बाजी मारी थी। सीबीएसई बोर्ड के जिम्मेदारों के मुताबिक, पहली बार परीक्षा से 86 दिन पहले डेट शीट जारी की गई है। इसकी वजह है कि इस बार स्कूलों ने समय से लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स भरी है। डेट शीट के मुताबिक, दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं की तिथि को ध्यान में रखा गया है। प्रवेश परीक्षाओं से काफी पहले परीक्षाएं पूरी करने का प्रयास किया गया है। इससे विद्यार्थियों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं के लिए बेहतर समय प्रबंधन में मदद मिलेगी। 10वीं क्लास के लिए पहला एग्जाम अंग्रेजी का होगा। साइंस का एग्जाम 20 फरवरी को होगा। इसमें सिर्फ एक दिन की छुट्टी दी गई है। वहीं, सोशल साइंस का एग्जाम 25 फरवरी को होगा। 10वीं के स्टूडेंट्स के लिए आखिरी एग्जाम 18 मार्च को कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स, आईटी या एआई का होगा।

इंदौर के विद्यार्थी मोगली बाल उत्सव में छाए

इन्दौर । मध्य प्रदेश शासन के विभागों के सहयोग से यह आयोजित पेंच अभयारण्य में राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव 2024 के अंतर्गत विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति प्रेम, जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना जागृत करने के उद्देश्य से कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें इंदौर जिले के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग के छात्रों ने भी सफलताएं अर्जित की। ईको क्लब नोडल अधिकारी डा. संगीता विनायका व मास्टर ट्रेनर जगदीश जोशी के अनुसार वरिष्ठ वर्ग के छात्र हर्ष जाटव ने कहानी लेखन में और कविता चौरसिया ने कविता लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में शिवानी भदौरिया और अंशुल तोलावत को भी प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि उत्सव में 55 जिलों से आए 324 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अनेक रोचक खेल, ट्रेलिंग, सफारी, क्विज, फिल्म व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जंगल में किया गया था।

शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में 14 टीमें होंगी शामिल

इन्दौर । शास्त्रीय नृत्यों के प्रति अभिरुचि बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 23 नवंबर शाम 5 बजे स्थानीय आनंद मोहन माथुर सभागृह में शहर की सांस्कृतिक संस्था द्रुपद डांस अकादेमी द्वारा अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर उभरते शास्त्रीय नृत्य कलाकारों को मंच देने के उद्देश्य से समूह शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इस प्रतियोगिता में 14 टीमें भाग ले रही हैं।

पड़ोसी की हत्या के आठ आरोपियों में से तीन को आजीवन कारावास, साक्ष्य के अभाव में पांच बरी

इन्दौर । सत्र न्यायाधीश अरुण श्रीवास्तव की कोर्ट ने हत्या के आठ आरोपियों में से तीन को दोषी करार देते आजीवन कारावास की सजा सुनाते अन्य पांच को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। छः साल पुराने इस प्रकरण में एजीपी उमेश यादव ने अभियोजन पैरवी करते हुए 22 गवाहों के बयान करवाए थे।

प्रकरण कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि आठ अप्रैल 2018 को नगीन नगर निवासी आशीष कुशवाह का घर के पीछे रहने वाले दीपू उर्फ दीपक मराठा से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे आशीष के बड़े भाई मनीष द्वारा आशीष को समझाइश देकर घर ले आया गया। इसके कुछ ही देर बाद दीपू अपने साथियों के साथ आशीष के घर पहुंचा तथा चाकू और लट्ठ से हमला कर दिया। इसमें आशीष उसका भाई मनीष और माता-पिता घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान आशीष की मौत हो गई। पुलिस थाना एरोड्रम में आठ लोगों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज हुआ था जिसमें विवेचना उपरांत चालान कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर कोर्ट ने सुनवाई उपरांत फैसला सुनाते हुए आरोपी दीपू उर्फ दीपक मराठा निवासी नगीन नगर, अच्छू उर्फ हेमंत निवासी माली मोहल्ला और कपिल निवासी कबीट खेड़ी हीरा नगर को हत्या का दोषी मानते आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

12 जनवरी को सरयूपारीण ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन, प्रविष्टि फार्म का लोकार्पण

इन्दौर । आगामी 12 जनवरी को हंसदास मठ, बड़ा गणपति पर सरयूपारीण ब्राह्मण समाज का 14वां परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर के विवाह योग्य युवक-युवती भाग लेंगे। अध्यक्ष सुभाष दुबे और महिला अध्यक्ष संपदा मिश्रा के अनुसार मरीमाता चौराहा स्थित परशुराम मंदिर पर प्रविष्टि फार्म का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विनोद द्विवेदी, अनूप शुक्ला, अशोक शुक्ला, शिवेंद्र तिवारी, अजय त्रिपाठी, इंदु पांडे उपस्थित थे।

केन्द्रीय संग्रहालय में व्याख्यानमाला

इंदौर । विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर 22 नवंबर 2024 को केन्द्रीय संग्रहालय इंदौर में प्रातः 11 बजे से एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय अटल बिहारी वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती संध्या भार्गव, आईपीएस एकेडमी के टूर एवं ट्रेवल्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच. आर. पाटीदार एवं आई.जी.एन.सी.ए. के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री आस्तिक भारद्वाज अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। व्याख्यान माला में आमंत्रित विद्यार्थी/शोधार्थी एवं अन्य गणमान्य नागरिक इस आयोजन में इतिहास, पुरातत्व एवं धरोहर के संरक्षण के संबंध में भी ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।

वायु गुणवत्ता सुधार के लिये माइक्रो लेबल एक्शन प्लान बनाये : मुख्य सचिव

इंदौर । मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गत दिवस राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनकेप) अंतर्गत प्रदेश स्तरीय स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में शहरों की वायु गुणवत्ता सुधार के लिये माइक्रो लेबल एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिये हैं। मुख्य सचिव श्री जैन ने एनकेप अंतर्गत चिन्हित प्रदेश के नॉन अटेनमेंट शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास एवं सागर के कलेक्टर कमिश्नर को आगामी बैठक में स्वच्छ वायु के लिये एक्शन प्लान प्रस्तुत करने को कहा है। बैठक में एनकेप अंतर्गत चिन्हित शहरों के कलेक्टर एवं कमिश्नर वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल हुए। आयुक्त नगरीय निकाय एवं आवास ने एनकेप में चिन्हित प्रदेश के नॉन अटेनमेंट शहरों की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिये किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में इंदौर से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा शामिल हुए। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदेश के शहरों की वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) की जानकारी प्रतिदिन प्रस्तुत की जा रही है जिसके अनुसार प्रदेश के 07 नॉन-अटेनमेंट शहरों के अतिरिक्त सिंगरौली, मण्डीदीप एवं पन्ना का वायु गुणवत्ता सूचकांक भी खराब से बहुत खराब श्रेणी का आ रहा है। इनके सुधार के लिये गंभीरतापूर्वक माइक्रो लेबल की प्लानिंग करें। उन्होंने उज्जैन, ग्वालियर, देवास एवं सागर द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार के लिये वर्ष 2023-24 की स्वीकृत राशि का शत-प्रतिशत उपयोग नहीं करने पर अप्रसन्नता जताई। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि शहरों के आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल रोक के लिये माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालनार्थ प्रावधानित दण्ड की कार्यवाही विशेष अभियान चलाकर की जाये। इसके साथ-साथ उनको व्यवहारिक समझाईश (काँउसलिंग) देने के लिये समय-समय पर कार्यक्रम भी आयोजित करें। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा एकत्रित करने के पश्चात् ना जलाये जाने के संबंध काँउसलिंग करें साथ ही निरंतर निगरानी रखी जाये। की गई कार्रवाई से आगामी बैठक में अवगत करायें।

मेडी-केप्स ने मिल्सैप्स कॉलेज, यूएसए के प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की

मेडी। केप्स विश्वविद्यालय को यूएसए में कैरियर के अवसर विषय पर एक आकर्षक सेमिनार के लिए एल्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मिल्सैप्स कॉलेज, यूएसए के अधिष्ठाता डॉ. हार्वे फिसर की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

डॉ. फ़िसर ने बिजनेस एनालिटिक्स की बढ़ती क्षमता पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और संयुक्त राज्य अमेरिका में एक नए अमेजॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) डेटा सेंटर के लॉन्च पर प्रकाश डाला, जिससे कई रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। सेमिनार में गहराई जोड़ते हुए, मिल्सैप्स कॉलेज के ग्रेजुएट स्पेशलिस्ट श्री रयान हार्प ने भारतीय और अमेरिकी शैक्षणिक प्रणालियों के बीच सांस्कृतिक अंतर पर चर्चा की, जिससे छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण और अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरणा मिली। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय की टीम के साथ डॉ. रवींद्र पाठक द्वारा विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो (डॉ) डी. के. पटनायक के नेतृत्व में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने चर्चा में भाग लिया, जिनमें इंजीनियरिंग के अधिष्ठाता ,डॉ. प्रमोद नायर, प्रबंधन के अधिष्ठाता, डॉ. संजय जैन, आईक्यूएसी के निदेशक, डॉ. अब्बास अली कोसर, प्रबंधन प्रमुख डॉ. कल्याण साहू, और डॉ. सुनील डी. उपाध्याय, प्रभारी प्रोफेसर। इन चर्चाओं ने मेडी-केप्स विश्वविद्यालय और मिल्सैप्स कॉलेज के बीच अकादमिक सहयोग और संयुक्त कार्यक्रमों के लिए संभावित रास्ते तलाशे। कुलाधिपति के विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री पलाश गर्ग और ब्रांडिंग निदेशक सुश्री सलोनी गर्ग की उपस्थिति से यह कार्यक्रम और समृद्ध हुआ।

भारत और नेपाल के बीच धार्मिक व मैत्री संबंध होंगे प्रगाढ़ : मुख्यमंत्री

उज्जैन/इन्दौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को महामृत्युंजय द्वार समीप महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह लड्डू प्रसाद ले जा रहे वाहन को केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। लड्डू प्रसाद श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव, मिथिला नेपाल में वितरण के लिए अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट रवाना किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ डमरूवादन, शंखनाद और वेद ऋचाओं की गूंज से हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत नेपाल के धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्री सम्बन्ध बहुत पुराने हैं। मिथिला नेपाल में भगवान श्री महाकाल का लड्डू प्रसाद वितरण का कदम भारत नेपाल संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, एसपी प्रदीप शर्मा, महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहें।

विक्रम उद्योगपुरी बना सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क, केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने किया सम्मानित

इन्दौर। मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विक्रम उद्योगपुरी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान फिक्की द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छ औद्योगिक पार्क' अभियान के तहत दिया जा रहा है। इसके तहत केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा 21 नवंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित पुरस्कार समारोह में यह अवार्ड प्रदान किया। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश राठौड़ ने यह सम्मान ग्रहण किया। यह पुरस्कार न केवल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन के विकास को नई ऊंचाई तक ले जाने वाला है, बल्कि विक्रम उद्योगपुरी को एक ऐसे आदर्श के रूप में स्थापित करेगा, जिसका अनुसरण अन्य औद्योगिक क्षेत्र करेंगे। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले पुरस्कार समारोह में कुल 15 औद्योगिक पार्कों को स्वच्छता के लिए सम्मानित किया गया। विक्रम उद्योगपुरी ने शीर्ष स्थान हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। दरअसल फिक्की ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत 'स्वच्छ औद्योगिक पार्क' अभियान के नाम से इस पहल को शुरू किया है। इसका उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।

रुद्राक्ष की माला की तरह बहुमूल्य है प्रो. शुक्ल की 108 लघुकथाएं

इन्दौर। संस्था अखंड संडे के तत्वावधान में लघुकथाकार प्रो. योगेन्द्रनाथ शुक्ल की पंजाबी भाषा में अनुवादित कृति बदलते नायक का 100 वाँ ऑनलाइन लोकार्पण कर इतिहास रच दिया। उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा कोरोना काल में शुरू की गई ऑनलाइन लोकार्पण श्रंखला ने चार साल में 100 ऑनलाइन लोकार्पण किये। इस अवसर पर साहित्यकार प्रतापसिंह सोढ़ी ने कहा कि इस संग्रह की लघुकथाएँ जीवन के, समाज के विविध विषयों से साक्षात्कार कराती हैं। संवेदनशीलता इन लघुकथाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि अनुवादिका जगदीप कौर ने मूल निष्ठा, सतर्कता एवं सटीकता को बर्करार रखते हुए मूल लेखक की भावनाओं से सामंजस्य स्थापित कर अनुवाद द्वारा उसे प्राणवान बना दिया है। वहीं अमृतसर से मिन्नी पत्रिका संपादक जगदीश रॉय कुलरियाँ ने कहा कि योगेंद्र नाथ शुक्ल अपनी रचनाओं में

अधिक विस्तार नहीं देते। उज्जैन से चर्चाकार पिलकेन्द्र अरोड़ा ने कहा कि इस संग्रह की रचनाएं विभिन्न घटनाओं और संवादों के माध्यम से सत्य से साक्षात्कार कराती हैं। कनाडा से अनुवादक जगदीप कौर नूरानी ने अनुवाद शब्दों की शक्ति का जश्न होता है, सम्मान होता है जो दुनिया की अलग-अलग भाषाओं को,सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। शुक्ल जी की लघुकथाओं में पाठक के मन को आंदोलन करने की शक्ति है, इसीलिए मैं उनकी रचनाओं की ओर आकृष्ट हुई। वहीं कृति के मूल लेखक डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ल ने कहा कि अनुवाद साहित्य का ऐसा अंग है, जो अपने अंतस में विशुद्ध एक विश्व एक परिवार की भावना रखता है। दो देशों और दो भाषाओं के लोगों को नजदीक लाता है,उनसे आत्मीय संबंध स्थापित करता है। मुकेश इन्दौरी ने कहा कि वर्तमान में ऑनलाइन लोकार्पण समय की मांग है। और ये कारवाँ अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. शुक्ल की लघुकथाओं का 12 भाषाओं में अनुवादित होना इन्दौर साहित्य जगत के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर साहित्य कार डॉ. पदमा सिंह, ज्योति जैन, डॉ रवीन्द्र पहलवान , मुंबई से डॉ. रमेश गुप्त मिलन, पुणे से विनु जमुआर, अनिल ओझा, बजेन्द्र नागर, हरमोहन नेमा, चंद्रकिरण अग्नि होत्री, डॉ.शशि कला अवस्थी, डॉ शशि निगम, नवनीत जैन, सुरेंद्र व्यास, महिमा शुक्ला, शोभा प्रजापति, आशा वडनेरे , नीति अग्निहोत्री सुजाता देशपांडे , कीर्तिश धामारिकर, अखिलेश बर्चे, राजेंद्र शर्मा, भावना दामले, आदि कई गणमान्य जन ऑनलाइन उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारी उप मुख्यमंत्री से मिले

3 साल से बीएलओ का काम कर रहे शिक्षक-कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने की मांग

इन्दौर। चिकित्सा महाविद्यालय, होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, विभिन्न अस्पताल और स्कूल शिक्षा विभाग के कर्मचारी व शिक्षकों को चुनाव कार्य से मुक्त करने की मांग को लेकर मप्र कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारी उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मिले।

संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र निगम ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि इन कार्यालयों के अलावा भी सैकड़ों कर्मचारी अब भी चुनाव ड्यूटी में लगे हैं। उन्हें बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) बनाया गया था और पिछले 3 एवं 4 साल से ये कर्मचारी वहीं काम कर रहे हैं। निगम ने बताया कि चुनाव कार्य में संलग्न होने के कारण इन कर्मचारियों के मूल विभाग का काम प्रभावित हो रहा है। इसमें बच्चों की पढ़ाई भी है। संगठन के संरक्षक वीरेन्द्र खोंगल ने बताया कि प्रदेश के चिकित्सालय, होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक मुख्य कार्य करने के बजाय निर्वाचन संबंधी कार्यों में ड्यूटी कर रहे हैं। यह कर्मचारी पिछले 3-4 सालों से मतदाता सूची का कार्य कर रहे हैं। इससे स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। नेताद्वय ने बताया कि चिकित्सालय में विभिन्न रोगों के हजारों मरीज प्रतिदिन उपचार कराने आते हैं, लेकिन चिकित्सालय में मशीनों का संचालन करने वाले विशेषज्ञ ना होने के कारण मरीजों को दूसरी जगह जांच कराना पड़ रही है। इससे मरीज परेशान हो रहे हैं और आर्थिक हानि भी हो रही है। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने कलेक्टर को पत्र लिखकर अत्यावश्यक कार्य करने वाले कर्मचारियों को मतदाता सूची कार्य से मुक्त करने के लिए अनेक बार आग्रह भी किया, पर इन कर्मचारियों को चुनाव कार्य से मुक्त नहीं किया जा रहा है।

प्रो. लू जिंग रेन की चुनी हुई पुस्तकों और पोस्टर्स की एक प्रदर्शनी

इन्दौर। चीन के सर्वश्रेष्ठ बुक डिजाइनर माने जाने वाले, शिन्हुआ विश्वविद्यालय के प्रो. लू जिंग रेन की चुनी हुई पुस्तकों और पोस्टर्स की एक प्रदर्शनी 21 से 23 नवम्बर तक श्री अरबिंदो आर्ट गैलरी में देखी जा सकेगी। चीन में बुक डिज़ाइन की विधा बहुत समृद्ध है, और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। प्रो? लू पुस्तक की संरचना और स्वरूप में अपने नए प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं। हैंड-क्राफ्टेड बाइंडिंग, डिलक्स पुस्तकों के विशिष्ट स्वरूप, और चीन के प्रमुख बुक डिज़ाइनर्स के काम के संकलन भी प्रदर्शनी में है। बीजिंग ओलम्पिक के पोस्टर्स, विज़ुअल आइडेंटिटी प्रोग्राम और अन्य सामग्री भी इस प्रदर्शनी के विशेष आकर्षण हैं। ग्राफ़िक डिज़ाइन, बुक और इंफ़ोर्मेशन डिज़ाइन के प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए विश्व में डिज़ाइन के सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों को देखने का यह सुनहरा मौक़ा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री होने के बावजूद भारत में बुक डिज़ाइन की विधा विकसित ही नहीं हो पाई है। प्रदर्शनी से भारत को चुक डिज़ाइन में विश्वस्तरीय बनने के लिए कितना सफर तय करना है ।

पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम: अच्छा निवेश विकल्प

ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध

इन्दौर। आजकल निवेश करने वाले लोग बेहद सावधानी से अपनी धनराशि लगाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। इस संदेश को ध्यान में रखते हुए, सरकारी पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक अच्छा निवेश विकल्प प्रस्तुत करती है। यह स्कीम विभिन्न आयु समूहों के लिए रुचिकर ब्याज दर के साथ आता है। एनएससी स्कीम में निवेश करने वालों को मिलने वाला 7.7 फीसदी का ब्याज न केवल उनके पैसे को दोगुना करता है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत निवेश की रकम पर टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है। इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 5 वर्ष का होता है, जो निवेशकों के लिए एक सावधानीपूर्ण समयावधि प्रदान करता है। इस सेविंग्स स्कीम में छोटे बच्चों के नाम से भी अकाउंट ओपन कराने की सुविधा दी गई है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित रहे। निवेशकों को सरकार द्वारा दी गई गारंटी के साथ निवेश करने का मौका मिलता है। इस स्कीम के तहत ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेशकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान से आसानी से निवेश करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक सुरक्षित, लाभकारी और आसान निवेश विकल्प प्रदान करती है जो निवेशकों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

इंदौर से प्रयागराज के लिए सीधी फ्लाइट शुरू करने की तैयारी इंडिगो की योजना

इंदौर। जनवरी 2025 में प्रयागराज में होने वाले कुंभ से पहले, इंदौर से प्रयागराज के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, निजी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने प्रयागराज एयरपोर्ट की पुरानी टर्मिनल बिल्डिंग के विस्तार के बाद इंदौर-प्रयागराज-इंदौर के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की योजना तैयार की है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अगले माह से ही इस रूट पर फ्लाइट संचालन शुरू करने की तैयारी कर रही है। दरअसल जनवरी से फरवरी तक चलने वाले प्रयागराज कुंभ में देश-विदेश से लाखों लोग शामिल हो सकते है।

एयरलाइंस कंपनियां भी इसी को ध्यान में रखते हुए अपनी सेवाओं में नए रूट जोड़ रही हैं। ट्रेवल एजेंट्स ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस ने रूट पर फ्लाइट शुरू करने को लेकर हमसे संपर्क किया है। पूछताछ के बीच उन्होंने इंडिगो को बताया कि पहले भी इस रूट पर फ्लाइट का संचालन सफल रहा था, लेकिन बाद में सेवा को बंद कर दिया गया।

फ्लाइट शुरू होने पर यात्रियों को काफी लाभ होगा। इंदौर एयरपोर्ट से दिसंबर में दो नई सीधी फ्लाइट्स शुरू हो रही हैं। इंडिगो 10 दिसंबर से इंदौर-कोलकाता रूट पर अपनी दूसरी सीधी फ्लाइट शुरू करेगी, जिसकी बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस भी 15 दिसंबर से इंदौर-कोलकाता रूट पर अपनी पहली नॉन-स्टॉप फ्लाइट शुरू करेगी। इन दोनों फ्लाइट्स के शुरू होने के बाद इंदौर से कोलकाता के लिए कुल तीन फ्लाइट्स उपलब्ध होंगी।

11 उत्कृष्ट समाजसेवी महिलाओं को झलकाद्यारी अलंकरण एवं 5 पुरूषों को कोली रत्न की उपाधी से नवाजा जाएगा

इन्दौर। अखिल भारतीय वरंग में झलकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष टटवाल एवं संभागीय अध्यक्ष ओमप्रकाश धीमान एवं कोरी/कोली समाज महापंचायत के संयोजक कैलाश चंद चौधरी ने बताया कि बाल्यावस्था में खुंखार चीते का वध एवं सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर फिरंगी अंग्रेज दुश्मनों से लोहा लेकर अपने अदम्य शौर्य साहस व पराक्रम का परिचय देने वाली वीरांगना झलकारी बाई को इतिहास के पन्नों में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वे हकदार थी। उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने हेतु अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ, इन्दौर द्वारा कोली/कोरी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता से विगत 28 सालों से 22 नवम्बर को झलकारी जयंती एवं 4 अप्रैल को बलिदान दिवस मनाता आ रहा है। झलकारी महोत्सव का मुख्य आयोजन 1 दिसम्बर को होगा। जिसमें झांसी की झलकारी नाट्य मंचन एवं झलकारी अलंकरण समारोह माई मंगेशकर सभागृह, 31, पंचशील नगर इल्वा स्कूल के सामने, लोहा मंडी, इन्दौर में शाम 5 बजे से होगा। जिसमें कोली कुल के जन्मदाता, अयोध्या के प्रथम महान सम्राट प्रतापी राजा भगवान मांधाता के वंशज एवं ऑकारेश्वर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी श्रीमंत राव देवेन्द्रसिंह जी एवं अखिल भारतीय कोली समाज के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विरेन्द्र कश्यप पूर्व सांसद शिमला, केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती निम्बू बेन बांभनिया (गुजरात), पूर्व सांसद श्री सत्यनारायण पंवार (उज्जैन), हाथरस के पूर्व विधायक श्री हरिशंकर माहौर एवं फिल्म डायरेक्टर एवं लेखक श्री परमानंद कोरी (उत्तरप्रदेश), मुख्य मेहमान होंगे। अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली, कोली समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भारत पेट्रोलियम कापरिशन बोर्ड के केन्द्रीय संचालक धनश्याम शेर, राष्ट्रीय महामंत्री दिनेश वर्मा दानिश, कोषाध्यक्ष प्रहलाद टाटवाल, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती राजेश वर्मा, सम्भागीय अध्यक्ष ओमप्रकाश धीमान, आयोजन के मुख्य सहयोगी कोरी/कोली समाज महापंचायत के संयोजक कैलाश चंद चौधरी ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम दीपशिखा रणनायिका वीरागना झलकारी बाई की स्मृति को चिरस्थाई बनाने हेतु वीरांगना झलकारी अलंकरण समारोह में सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक सास्कृतिक, धार्मिक, पारमार्थिक, खेल, चिकित्सा एवं रचनात्मक क्षेत्र से जुडी 11 उत्कृष्ट मातृशक्तियों को वीरांगना झलकारी अलकरण से अलकृत किया जाएगा। इसी प्रकार समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले वरिष्ठ समाजसेवियों को कोली रत्न की उपाधि से नवाजा जाएगा। - राजा माधाता के वंशजों को राजशी ठाटबाठ के साथ कार्यक्रम स्थल पर लाया जाएगा - महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली एवं राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश ने बताया कि झलकारी महोत्सव के तहत मुख्य आयोजन 1 दिसम्बर 2024 रविवार को होगा, जिसमें कोली कुल के जन्मदाता, अयोध्या के प्रथम महान सम्राट प्रतापी राजा भगवान मांधाता के वंशज एवं ऑकारेश्वर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी श्रीमंत राव देवेन्द्र सिंहजी वीरांगना झलकारी बाई के वंशज श्री घनश्याम वर्मा जतारिया एव श्री योगेश वर्मा झांसी शामिल होंगे। इन सभी वंशजों के साथ ही अखिल भारतीय कोली समाज के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विरेन्द्र कश्यप जी को सपना संगीता मेन रोड़ से कार्यक्रम स्थल माई मंगेशकर सभागृह पंचशील नगरः लोहा मही इल्वा स्कूल के पास बग्गी में बैठा कर राजशी ठाठबाठ के साथ भव्य जुलुस के रूप में बैंडबाजे के साथ ले जाया जाएगा।

झलकारी अलंकरण से इन्हें किया जाएगा अलंकृत - झलकारी महासघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली एवं राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश ने बताया कि झलकारी महासंघ के तहत आयोजित झलकारी अलंकरण समारोह में अखिल भारतीय कोली समाज महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजस्थान कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री द्रोपती कोली एवं श्रीमती मोहिनी शाक्यवार भोपाल। मध्यप्रदेश कोरी कोली समाज की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री प्रोफेसर पुष्पा शाक्य, शिक्षिका श्रीमती रमा राजौरे, इन्दौर, श्रीमती कविता विनोदिया उज्जैन, शाक्यवार कोरी समाज महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम लता वर्मा, डॉ. सुश्री गरिमा खंडेलवाल, डॉ मानसी खंडेलवाल एवं राजस्थान की सूत्री सुनैना वर्मा को वीरांगना झलकारी अलकरण से अलंकृत किया जाएगा।

इसी प्रकार समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणीय एवं उल्लेखनीय सेवाए देने वाले अखिल भारतीय कोली समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री सत्यनारायण पवार को कोली वीर रत्न एवं सर्वश्री डी पी शंखवार दिल्ली, बडवानी जिले के कृषक श्री मोहत दादा माधव वर्मा -टीकरी तथा पारिवारिक विवादों को मध्यस्थता केन्द्र के माध्यम से निपटारा कराने में अहम भूमिका निभाने वाली कोरी/कोली समाज महापंचायत के संरक्षक श्री कैलाश चंद चौवरी को कोली रत्न की उपाधी से नवाजा जाएगा।

रिक्त लाखों पदों पर स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करें सरकार

इंदौर । मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग करी है कि विभागों में रिक्त लाखों पदों पर पहले दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मियों को नियमित किया जाए उसके बाद सीधी भर्ती एवं आउटसोर्स से भर्ती की जाए।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार ने 5 साल में ढाई लाख पदों पर सीधी भर्ती करने का निर्णय लिया है तथा चतुर्थ श्रेणी के पदों को आउटसोर्स से भरने का निर्णय लिया है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने उमा देवी बनाम कर्नाटक सरकार के मामले में फैसला देते हुए सभी

राज्यों को निर्देश दिए थे कि विभागों में रिक्त तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी पदों पर स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित किया जाए।

राज्य सरकार ने भी 2016 में आदेश जारी कर था कि चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर स्थाई कर्मियों को नियमित नियुक्ति दी जाए। लेकिन अभी तक किसी भी विभाग में स्थाई कर्मियों को चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति नहीं दी गई है

और सरकार ने चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर आउटसोर्स से भर्ती करने का निर्णय ले लिया है

जो की स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है। पहले सरकार को स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को रिक्त चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियमित नियुक्ति देने के आदेश जारी करें उसके बाद पद बचते हैं

तो आउटसोर्स से भरे यदि सरकार ने विभागों में कार्यरत 42 हजार स्थाई कर्मियों एवं 32 हजार दैनिक वेतन भोगियों के हित में नियमित करने का निर्णय नहीं लिया तो मप्र कर्मचारी मंच उग्र आंदोलन करेगा।

शिक्षक विदाई समारोह में सम्मान और समर्पण की अनूठी मिसाल

देपालपुर। शासकीय माध्यमिक विद्यालय नांद्रा में कार्यरत शिक्षक राजेश पटेल और शिक्षिका कुमारी शोभना मालवीय के स्थानांतरण के उपलक्ष्य में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड स्त्रोत समन्वयक माता प्रसाद गौड़ थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अटाहेड़ा की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपाली सोनी ने की। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य अधिवक्ता पुरुषोत्तम धाकड़, बैंक ऑफ इंडिया इंदौर शाखा के मैनेजर सुधीर चौधरी, समाजसेवी सुनील सोलंकी, ग्राम पंचायत नांद्रा के सरपंच प्रतिनिधि बहादुर पटेल, और जनपद पंचायत देपालपुर सदस्य प्रतिनिधि कल्याण सिंह तंवर मौजूद थे। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों में पंचायत सदस्य प्रतिनिधि हरि सिंह नेताजी, पूर्व उपसरपंच राहुल गहलोत, पंचायत सचिव सुनेर सिंह गौड़, सहायक सचिव रवि तंवर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया राठौड़, भूरी सेन, देवकरण बाउजी, और मनोहर चौहान शामिल थे। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने राजेश पटेल और कुमारी शोभना मालवीय के साथ सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुकेश नगर, आबिद अली मंसूरी, बलदेव गहलोत, और अशोक सोलंकी ने अपने संबोधन में दोनों शिक्षकों के योगदान की सराहना की। राजेश पटेल ने अपने विद्यालय को एक बड़ा साउंड सिस्टम भेंट किया, जबकि कुमारी शोभना मालवीय ने स्टैंड भेंट किया। उनके इस योगदान ने सभी उपस्थितजनों को भावुक कर दिया।

समारोह के दौरान माहौल में स्नेह और सम्मान का अद्भुत संगम देखने को मिला। विद्यालय परिवार और ग्रामीण समुदाय ने शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिला न्यायपालिका में ग्रीष्मकालीन अवकाश सम्भवत : मई से जून में रहेंगे

वर्ष 2025 में जिला न्यायपालिका में साल के 365 दिन में से संभवतः केवल 90 दिन अवकाश रहेगा

इन्दौर अभिभाषक संघ इन्दौर के पूर्व-अध्यक्ष गोपाल कचोलिया अभिभाषक ने बताया है कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल महोदय द्वारा मध्यप्रदेश की जिला न्यायपालिका के लिए वर्ष 2025 के प्रस्तावित अवकाशों की सूची एक ज्ञापन मेमो के साथ दिनांक 23/10/2024 को मध्यप्रदेश न्यायाधीश संघ के अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के अध्यक्ष और उच्च न्यायालय अभिभाषक संघों के अध्यक्षों को प्रेषित कर उनसे सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। सुझावों पर विचार करने के पश्चात मध्यप्रदेश की जिला न्यायपालिका के लिए वर्ष 2025 के अवकाशों की अन्तिम सूची जारी की जायेगी। 23/10/2024 को जारी सूची के अनुसार वर्ष 2025 में जिला न्यायपालिका में 52 दिन रविवार,12 दिन तृतीय शनिवार और 26 दिन विभिन्न पर्व और त्यौहारों के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा।साल के 365 दिनों में से केवल 90 दिन अवकाश रहेगा। गोपाल कचोलिया अभिभाषक ने बताया है कि प्रस्तावित सूची के अनुसार जिला न्यायपालिका में वर्ष 2025 में संभवतः 1 जनवरी को नववर्ष,14 जनवरी को मकर संक्रान्ति,03 फरवरी को बसंत पंचमी,26 फरवरी को महाशिवरात्रि,13 मार्च को होलिका दहन,14 मार्च को होली,31 मार्च को ईद उल फितर, 10 अप्रैल महावीर जयंती,14 अप्रैल डा अम्बेडकर जयंती,18 अप्रैल गुड फ्राइडे,12 मई को बुध्द पूर्णिमा, 7 जून को ईद उल जुहा, 9 अगस्त रक्षाबंधन,15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस,27 अगस्त को गणेश चतुर्थी,5 सितम्बर को ईद मिलाद-उन-नबी,2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 30 सितम्बर व 1 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को विजयादशमीदशहरा ,20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक दीपावली,5 नवंबर को गुरुनानक जयंती और 25 दिसम्बर को क्रिसमस डे के उपलक्ष्य में जिला न्यायपालिका में अवकाश रहेगा। गोपाल कचोलिया ने बताया है कि जिला न्यायपालिका में ग्रीष्मकालीन अवकाश संभवतः 19 मई से 13 जून और शीतकालीन अवकाश 24 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक रहेगा। इस दौरान सिविल दीवानी न्यायालयों में काम काज नहीं होगा। लेकिन फौजदारी व अन्य न्यायालयों में कामकाज जारी रहेगा। प्रस्तावित सूची के अनुसार आगामी वर्ष 2025 में ग्रीष्मकालीन अवकाश विगत वर्षों की तरह परम्परा अनुसार मई से जून तक रहेगा। गौरतलब है कि इस वर्ष 2024 में ग्रीष्मकालीन अवकाश 3 जून से 28 जून तक रहे थे। गोपाल कचोलिया अभिभाषक ने बताया है कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल ने दिनांक 23/10/2024 को एक मेमो ज्ञापन के साथ उपरोक्त प्रस्तावित अवकाशों की सूची मध्यप्रदेश न्यायाधीश संघ के अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के अध्यक्ष उच्च न्यायालय अभिभाषक संघों के अध्यक्षों को प्रेषित कर उनसे न्यायालयों के लिए आगामी वर्ष 2025 के उपरोक्त प्रस्तावित अवकाशों के सम्बन्ध में सुझाव आमंत्रित किए हैं।

सभी सुझावों पर विचार करने के पश्चात मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जिला न्यायपालिका के लिए वर्ष 2025 के अवकाशों की अन्तिम सूची जारी की जायेगी।

फिल्म निर्माता नितिन वैद्य, मेधा पाटकर और डॉक्टर सुनील 22 नवंबर को इंदौर में

राष्ट्रसेवा दल के संस्थापक साने गुरुजी की 125वीं जयंती के मौके पर आयोजित विचार व्याख्यान में भाग लेंगे

इंदौर। वरिष्ठ पत्रकार ,कई हिंदी और मराठी फिल्मों के निर्माता स्टार और ज़ी टीवी चैनल पर सत्यमेव जयते सहित कई हिंदी एवं मराठी धारावाहिकों के निर्माता नितिन वैद्य 22 नवंबर को इंदौर आ रहे हैं ।वे यहां राष्ट्र सेवा दल के संस्थापक साने गुरुजी की 125 में जयंती के मौके पर आयोजित विचार व्याख्यान में व्याख्यान देंगे। नितिन वैद्य वर्तमान में राष्ट्र सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। इसी व्याख्यान माला के आयोजन में जन आंदोलन के राष्ट्रीय समन्वय की समन्वयक तथा नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर और समाजवादी समागम के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ सुनीलम भी भाग लेंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजवादी तथा लोहिया विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए लोहिया विचार मंच के महासचिव रामस्वरूप मंत्री ने बताया कि 22 नवंबर शुक्रवार को शाम 5:00 बजे अभिनव कला समाज के सभागृह में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के सह आयोजक डॉ राम मनोहर लोहिया सामाजिक समिति, समाजवादी समागम, समाजवादी विचार प्रसार केंद्र हैं । श्री मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सांप्रदायिक राजनीति को जवाब देने के लिए साने गुरुजी ने राष्ट्र सेवा दल की स्थापना की थी । देश के 23 राज्यों में राष्ट्र सेवा दल की इकाइयां कार्यरत है तथा इसके कार्यकर्ता सामाजिक सौहार्द और भाईचारे के लिए तथा समाजवादी समाज बनाने की संकल्पना को साकार करने के लिए लगातार पिछले एक सदी से सक्रिय हैं। यह वर्ष साने गुरुजी की 125 वीं जन्म जयंती का वर्ष भी है इसलिए मध्य प्रदेश में विभिन्न जन संगठन और धर्मनिरपेक्ष कार्यकर्ता विचार व्याख्यान के आयोजन कर रहे हैं इसी कड़ी में इंदौर में यह आयोजन हो रहा है।

प्रसार भारती ने किया ओटीटी वेव्स का पर्दापण

प्रसार भारती ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सव, गोवा में अपना बहुप्रतीक्षित ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स लॉन्च कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इंदौर के प्रांजल मिश्र इस प्लेटफॉर्म के कंटेंट मैनेजर है।

प्रांजल इसके पहले केन्द्रीय संचार ब्यूरो और तत्कालीन राज्यसभा टीवी में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्रांजल ने अपनी शिक्षा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के ईएमआरसी से पूर्ण की है। साथ ही उन्होंने वाद-विवाद में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर कई पुरस्कार भी अर्जित किए है।

टैटू बनवाने से भी हो सकता है एड्स

इंदौर। सिका कालेज में बुधवार को रेड रिबन क्लब ने एचआईवी एवं एड्स के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया । मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना मप्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में एमजीएम मेडिकल कालेज के माइक्रोणवायलाजी विभाग की आईसीटीसी परामर्शदाता मेघा चौकसे मुख्य वक्ता थी। उन्होंने बताया कि एड्स पीडितों की संख्या के लिहाज से भारत, विश्व में तीसरे नंबर पर है। उन्होंने बताया कि टैटू बनवाने, असुरक्षित यौन संबंध और संदूषित रक्ताधान से एड्स हो सकता है। लेकिन एचआईवी और एड्स से डरने के बजाए उसका टेस्ट और इलाज करवाने से व्यक्ति लंबी आयु तक सामान्य एवं स्वस्थ जीवन जी सकता है। उन्होंने एड्स के बारे में फैली भ्रांतियों को भी दूर किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एक एक विद्यार्थी कम से कम चार-चार लोगो को एचआईवी और एड्स के बारे में जागरुक करें तो इस बीमारी से समाज को बचाया जा सकता। एचआईवी और एड्स के बारे में खुल कर बातचीत करने से ही इस बीमारी को नियंत्रण में रखा जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर प्रतिभा सारस्वत ने किया। डा. माधवी आचार्य ने अतिथि वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कालेज के फैकल्टी सदस्य उपस्थित थे।

इंदौर फाईन आर्ट कॉलेज की उपेक्षा को लेकर व्यथित कलाकारों का मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित

1970 में अनिल कुमार का आमरण अनशन तुड़वाते हुए म.प्र.शासन के आय ए एस अधिकारी दासगुप्ता और प्राचार्य एम जी किरकिरे ।

इंदौर (अनिल कुमार धडवईवाले) इंदौर का नाम दुनियाभर में रोशन करने में सर्वाधिक योगदान देनेवाले इंदौर फाईन आर्ट कॉलेज की उपेक्षा को लेकर व्यथित कलाकारों का मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन प्रेषित गौरतलब है कि,,, कुछ समय पूर्व ही इंदौर जिला प्रशासन ने एक अनूठा नवाचार करते हुए प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करनेवाले युवाओं के लिये भंवर कुआ क्षेत्र में आधुनिक लायब्रेरी तैयार कराई है जहां लगभग दो सौ छात्र - छात्राए बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे यहां वाईफाई, टेबल लेम्प चार्जिंग पॉइंट के अलावा एनसीईआरटी की पुस्तको के साथ पत्र - पत्रिकाए - समाचार पत्रों की सुविधा मिलेगी यहां सुबह छह से दोपहर दो और दो से रात दस बजे तक दो चरणों में युवा अध्ययन कर सकेंगे उक्त लायब्रेरी का शुभारंम्भ मुख्यमंत्री के हाथों ही हुआ था इस तरह मुख्यमंत्री परीक्षार्थी सुविधा केंद्र की सौगात युवाओं को मिल गयी थी शहर के अन्य इलाकों में भी युवाओं को जल्द ही यह सुविधा मिलनेवाली है इसी संदर्भ में इंदौर के गौरवमयी फाईन आर्ट कॉलेज के 55 साल पुराने भुतपूर्व छात्र और छात्र संघ अध्यक्ष रहे अनिल कुमार

धड़वईवाले ने इस कॉलेज मौजूदा बदहाली को लेकर एक अपील मुख्यमंत्री को भेजी है जिसमे उन्होंने छात्र + छात्राओं की बरसों से लंबित वाजिब समस्याओ की ओर भी शीघ्रताशिघ्र ध्यान देकर समस्याओं का निराकरण करने हेतु निवेदन किया है ताकि वे नये उत्साह से दिल लगाकर बेहतरीन कलाकर्म कर सकेंगे कलामनीषी दत्तात्रय दामोदर देवालालिकर ने 97 वर्ष (वर्ष 1927)पूर्व इंदौर में प्रदेश के इस पहले चित्रकला विद्यालय की नींव रखी थी जो अब फाईन आर्ट कॉलेज में तब्दील हो चुका है विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चितेरे

स्मृतिःशेष एम.एफ. हुसैन,एन.एस.बेंद्रे, एम.एस. जोशी, डी. जे. जोशी, सोलेगांवकर,

एम.जी. किरकिरे, चंद्रेश सक्सेना, विष्णु चिंचालकर और उज्जैन के डॉ.विष्णु श्रीधर

वाकणकर आदि इसी कला केंद्र में स्वर्गीय देवलालीकर के शागिर्द रहे जो अपने जीवन काल में ही किवदंति बन चुके थे कला महर्षि देवलालिकर भारतीय कला जगत की सर्वकालिक चुनिंदा महान कलाकारों की फेहरिस्त में शामिल है इन्हीं मशहूर कलाकारों नें जहां कला की तालीम पायी उसी कला केंद्र के विद्यार्थी आज कल्पना से परे हालात में निर्धारित शुल्क अदा करके कला साधना कर रहे है1927 से लेकर 2023 तक यह चित्रकला महाविद्यालय महात्मा गांधी मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध देवलालीकर आर्ट गैलेरी के पिछे बहुत पुराने स्कुल भवन की पहली मंजिल पर संचालित होता रहा / लेकिन उक्त इमारत की हालत बेहद जर्जर - खतरनाक हो जाने से उसे सवा साल पहले जमींदोज कर दिया गया / इस वजह यह कॉलेज विजय नगर परिसर मे स्कीम 78 में इंदौर विकास प्राधिकरण के बेहद खस्ता हाल बाल भवन में शिफ्ट कर दिया गया है वहां संचालित हो रहा है जिसका मासिक किराया एक लाख शासन को इंदौर विकास प्राधिकरण को देना पड रहा है जो व्यर्थ पुरी तरह व्यर्थ ही है क्योंकि वह कला के विद्यार्थियों के दृष्टि से अनुकूल नहीं है ढेरों समस्याए है कॉमन वार्ड रूम -किचन -और खुले गलियारे में कक्षाए संचालित हो रही है कक्षाओं में प्रकाश उचित नही है विद्यार्थियों की संख्या के नजरिये क्लास रूम का आकार बहुत छोटा है कुछ कमरों में एक से ज्यादा कक्षाऐं लगानी पड रही है

बीए द्वितीय वर्ष से लेकर एम एफए अंतिम वर्ष की

कक्षाऐ एक ही किचन कक्ष में संचालित की जा रही है छात्र-छात्राओं के लिये कॉमन सुविधा गृह है / सर्वत्र गंदगी फैली हुई है पिने के पानी का बहुत अभाव रहता है ऐसी अन्य ओर भी मुलभुत समस्याए है

से बेहद विपरीत माहौल में यहां युवा-उभरते कलाकार तालिम पा रहे है बरसों से शासकीय संगीत महाविद्यालय का प्राचार्य ही इस कॉलेज का भी प्रभारी रहता है

वाहन सुविधाएं भी ठिक से नही है जिस तरह मुख्यमंत्री नें प्रतियोगी परीक्षार्थीयों के लिये सुविधाएं उपलब्ध कराई है वैसी कला छात्र-छात्राओं के लिये उपलब्ध करानी चाहिये उनकी लंम्बे अर्से से लंबित गंभीर समस्याओं का निष्पक्षतापूर्वक निराकरण करना चाहिये

इसी कॉलेज के छात्र समस्याओं को लेकर अनिल कुमार

धडवईवाले नें 54 साल पहले देवलालिकर आर्ट गैलेरी (तब वह कॉलेज का हिस्सा था) के समक्ष अमरण अनशन किया था तब कहीं जाकर उक्त आर्ट गैलरी भवन के मुख्य दरवाज़े पर जडा ताला खोला गया था और अन्य मांगे पुरी की गयी थी

हाईकोर्ट बार के निर्णय से किसान सहमत नहीं

पराली मामलें पर भारतीय किसान संघ ने दी प्रतिक्रिया

जबलपुर,। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के द्वारा लिया गया यह निर्णय कि मध्यप्रदेश में पराली जलाने वाले किसानों पर दर्ज मुकदमों की पैरवी मध्यप्रदेश के कोई भी वकील नहीं करेगें। इस निर्णय कि जानकारी मीडिया से प्राप्त होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसियेशन का यह निर्णय अत्यंत दुखद, एक पक्षीय व निंदनीय है। श्री मिश्र ने कहा कि भारत की सर्वैधानिक न्याय व्यवस्था में देश के खिलाफ अनैतिक गतिविधियों में लिप्त आतंकवादियों को भी न्याय पाने का अधिकार है, साथ ही आतंकवादियों के मुकदमों को लड़ने के लिये भी वकील उपलब्ध कराये जाने की संवैधानिक व्यवस्था है। लेकिन देश का अन्नदाता जिसका कोई दोष नहीं है फिर भी उसे दोषी ठहराकर न्यायिक व्यवस्था से न्याय पाने के अधिकार से वंचित किया जाना किसान के मौलिक अधिकारों का हनन है। श्री मिश्र ने कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसियेशन की कार्यकारिणी का निर्णय असंवेदनशील मानवीयता का रवैया प्रदर्शित करता है। यदि देश के किसानों से इतना ही विरोध है कि उसे न्याय भी न मिले तो उसका पैदा किया अनाज खाना छोड़ दीजिये। श्री मिश्र ने कहा कि कहीं न कहीं यह निर्णय देश के किसानों को प्रताड़ित करने व विवादग्रत स्थिति पैदा कर देश के किसानों को आंदोलन की ओर झौंककर अन्न उत्पादन को प्रभावित कर देश को अस्थिर करने की दिशा में उठाया कदम है। 'थर्मल पावर प्लांट से हो रहा सबसे ज्यादा प्रदूषण' भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल ने बताया कि देश में औद्योगिक प्रदूषण 51 प्रतिशत, ब्लैकल से 27 प्रतिशत व फसल अवशेष से 17 प्रतिशत और अन्य स्रोत से 5 प्रतिशत है। इसके साथ ही सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर सीआरईए की रिपोर्ट के अनुसार थर्मलपावर प्लांट पराली जलाने के मुकाबले 16 गुना अधिक प्रदूषण फैलाते है। सीआरईए की स्टडी के मुताबिक, दिल्ली.एनसीआर में थर्मल पावर प्लांट 89 लाख टन पराली जलाने से निकलने वाले 17.8 किलोटन प्रदूषण के मुकाबले 16 गुना ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं। स्टडी में कहा गया है कि जून 2022 और मई 2023 के बीच एनसीआर में कोयले से चलने वाले थर्मल पावर प्लांटों ने 281 किलोटन सल्फर डाइऑक्साइड छोड़ा। बता दें कि भारत फिलहाल में दुनिया का सबसे बड़ा सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जक है।

यह वैश्विक मानवजनित सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन के 20 प्रतिशत से ज्यादा के लिए जिम्मेदार है। ऐसा मुख्य रूप से इसके कोयला.निर्भर ऊर्जा क्षेत्र के कारण है।

'पराली जलाने पर जुर्माना, लेकिन थर्मल प्लांट पर पाबंदी नहीं' सीआरईए की स्टडी में आगे कहा गया है कि पराली जलाने से मौसमी उछाल आता है, थर्मल पावर प्लांट साल भर प्रदूषण का एक बड़ा स्थायी स्रोत हैं। यह थर्मल पावर प्लांट उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण की जरूरत पर जोर देता है। लेकिन थर्मल पावर प्लांटों को अक्सर नियमों से ढील मिलती है। जबकि पराली जलाने पर भारी जुर्माना लगाया जाता है। 'पराली के निस्तारण की व्यवस्था देना सरकार का काम' भारतीय किसान संघ का कहना कि पिछले 50 वर्षों से फसल अवशेष जलाने के लिये कृषि विष्वविद्यालय व कृषि विभागों ने प्रचार प्रसार करते हुये बताया था कि फसल अवशेष को जलाना जरूरी है, क्योंकि फसल अवशेष में कीट व खरपतवार के बीज छिपे होते हैं और अगली फसलों को नुकसान करते हैं। इसीलिये धूप में खेती करना, गहरी जुताई करना, फसल अवशेष जलाना जरूरी है। यदि इन कार्यों में कोई भी परिवर्तन होता है तो किसानों को प्रशिक्षित करना, संसाधन व उसके निस्तारण के लिये यंत्रों की व्यवस्था करना देश के कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और देश की सरकारों की जिम्मेदारी थी। इसके लिये किसान को दोषी ठहराना पूर्णतः गलत है।

न्यायालय आदेश में न्यायालय प्रशासन द्वारा कब्जा सौंपा गया

इंदौर। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि सन् 2010 में पिपलियाहाना मेन रोड, इंदौर के मकानो को सडक चौडीकरण के नाम पर जमींदोज तत्कालिन कलेक्टर एवं नजुल अधिकारी के द्वारा संगनमत होकर तानाशही तरीके से आंतकपुर्वक कार्यवाही कर 30 मकान को ठंड में जमीदोंज कर दिया गया था। उक्त मामले में प्यारेलाल वर्मा एवं महेश तिवारी अभिभाषक की ओर से उस समय तत्कालिक कलेक्टर से प्रतिनिधि मंडल के साथ मिला और उक्त कार्यवाही का घौर विरोध करते हुए उन्हे कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी, जिसकी समाचार पत्रो में सूचना भी प्रकाशित की गई थी। ,छब्बीसवे जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवेश उपाध्याय के द्वारा व्यवहार वाद क्रमांक 1075-ए/2019 था। ने कहा कि दस्तावेजो से यह प्रमाणित होता है, कि वादी के वादग्रस्त भवन 194-ए, पिपलियाहाना, इंदौर जो कि 1474 वगफीट पर निर्मित उक्त भवन पुर्व दिशा में जमीन का भाग है, और प्रतिवादीगण द्वारा वादी की विवादित संपत्ति का अधिग्रहण किये बिना भवन को तोडा है, जिसका आधिपत्य वादी प्राप्त करने का अधिकारी है। यह भी प्रताणित पाया गया है, कि वादी के स्वामित्व की वादग्रस्त संपत्ति. परीर वादीगण म.प्र. शासन द्वारा जिलाधीश एवं नजुल अधिकारी, जिलाधीश कार्यालय जो कि उक्त वाद में प्रतिवादीगण थे, निर्माण कार्य करने हेतु प्रयासरत् है। यह भी प्रमाणित वादी अपना वाद पत्र प्रमाणित करने में सफल हुआ है, जिसमें यह आदेश दिया जाता है, कि वादी की पिपलियाहाना तह. व जिला इंदौर स्थित 1474 पर निर्मित भवन 194-ए, पिपलियाहाना, इंदौर पूर्व दिशा में जमीन का भाग, पश्चिम में रशीद खान का मकान, उत्तर में सडक एवं दक्षिण दिशा में कृषि भूमि की बाउण्ड्री बाद नाला और बाद है, वादी को प्रतिवादी पक्ष वादी के उक्त मकान में की गई तोडफोड की छतिपुर्ती स्वरुप रुपये 2,50,000/- की राशि अदा करे, और उक्त राशि पर प्रतिवादीपक्ष आज दिनांक से अदायगी दिनांक तक 06 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर का भी भुगतान करे। उक्त फैसले के परिपालन में कब्जा वांरट जारी किया गया, जिसे निष्फल करने की कार्यवाही पुर्व में हुई। शासन ने मकान के रास्ते पर दिवार बना दी, पुनः सम्मानीय छब्बीसवे जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री देवेश उपाध्याय द्वारा कब्जा वांरट कमांक ईएक्सए-90/2024, दिनांक 08/11/2024 को जारी किया गया, जिसमें स्पष्ट लिखा है, कि वाद के वादी प्यारेलाल वर्मा को डिकीत है, अतः आपको निर्देश दिया जाता है, कि आप उक्त प्यारेलाल वर्मा को उसका कब्जा दिला. दे, और आपको प्राधिकृत किया जाता है, कि आप डिकी से आबद्ध ऐसे किसी व्यक्ति को, जो उसे खाली करने से इंकार करे, वहा से हटा दे। उपरोक्त कब्जा वांरट के प्रतिपालन में कब्जा दिलाये जाने के लिये आज जिला नजारत के 20 कर्मचारी जिला नाजीर दयाराम के आदेश से मौके पर पहुंचे, और रिक्त कब्जा दिवार तोडकर दिलवाया। मौके पर संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार वर्मा एवं 15 अभिभाषक मौके पर उपस्थित होकर कब्जा दिलवाया गया।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई

इंदौर श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड साइंस की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने भारत के गौरव, भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन की गौरवशाली गाथा विद्यार्थियों को सुनाई गई। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्शों से प्रेरित करना और उनके किये गए महान कार्यों से अवगत कराना था।

मुख्य अतिथि श्री महेश बसवाल, पार्षद, ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन में जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष और प्रेरणा का प्रतीक है। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ जीतेन्द्र जैन ने किया । आभार राहुल बरोडे ने माना। इस अवसर पर मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष (पीजी) डॉ. मंदीप गिल, प्रशासनिक अधिकारी समर्थ शर्मा, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने अपने संबोधन में कहा कि

शहर में 50 से अधिक अस्पताल, फायर एनओसी सिर्फ चंद के पास

पीथमपुर। शहर के सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे आग लगने पर मरीजों की जान बचाना काफी मुश्किल होगा। जिला अस्पताल एवं प्राइवेट अस्पताल में भी आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम न होना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। कुछ दिन पहले ही झांसी के मेडिकल कॉलेज के शिशु वार्ड में बड़ा अग्निकांड हुआ और उसमें कई शिशुओं की जान भी चली गई। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों में फॉयर सेफ्टी के प्रति गंभीरता नहीं दिख रहा है। शहर में 50 से अधिक छोटे-बड़े अस्पताल, नर्सिंग होम व क्लीनिक हैं, लेकिन फॉयर सेफ्टी के मामले में ये सब बेफिक्र हैं। हैरत की बात यह भी है कि जिले में आखिर सीएमओ कार्यालय से कितने अस्पताल पंजीकृत हैं, इसकी सूची भी अग्निशमन विभाग के पास नहीं है। छत्रछाया के पास किराए के मकान में खुले अस्पताल में तो अग्निशमन सुरक्षा की दृष्टि से ऑटोमेटिक स्प्रिंकलर व डिटेक्शन सिस्टम व एक्जिट साइनेज तक स्थापित नहीं हैं।

कोमल सिंह वानिया पुनः बने कीर समाज मध्यप्रदेश के निर्विरोध अध्यक्ष

देपालपुर। कीर समाज के विभिन्न सामाजिक आयोजनों के अंतर्गत बदरखा रेशम केंद्र, खजुरिया मंगल्या और आसपास के क्षेत्रों से समाजजनों की बड़ी उपस्थिति दर्ज हुई। भोपाल के महक गार्डन, बायपास रोड पर आयोजित कीर समाज की विशाल आमसभा में कोमल सिंह वानिया को फिर से निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। इस आयोजन में नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, हरदा, खंडवा, रायसेन, सीहोर, देवास, शाजापुर, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच और श्योपुर जैसे विभिन्न जिलों से समाज के लोगों ने भाग लिया। कोमल सिंह वानिया के पिछले कार्यकाल में किए गए सामाजिक कार्यों, उनकी विनम्रता और समाज को एक नई पहचान दिलाने वाली रणनीतियों से प्रभावित होकर उन्हें पुनः अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर उपस्थित जनसमूह ने हर्ष और उल्लास के साथ अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। कीर समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभुलाल कीर ने बताया कि कोमल सिंह वानिया की साफ छवि और समाजहित में किए गए कार्यों ने उन्हें समाज का सर्वसम्मति से नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया। सकल कीर समाज में इस नियुक्ति से हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

18 यूनिट रक्त संग्रहित

सैलाना । शासकीय महाविद्यालय सैलाना में रक्तदान महादान की भावना को लेकर गुरुवार को महाविद्यालय द्वारा आयोजित एवं एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रायोजित रक्तदान शिविर में 18 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। कार्यक्रम में शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के एलुमिनाई अध्यक्ष एवं 144 बार रक्तदान कर चुके अश्विनी शर्मा का प्राचार्य डॉ. एस सी जैन ने मोमेंटो देकर सम्मान किया । इस अवसर पर रोटेरियन श्री शुक्ला, एचडीएफसी बैंक के श्री अभिषेक व उनके साथी, पूर्व छात्र एवं मंडी अध्यक्ष तथा समाजसेवी इंद्रेश चंडालिया, संस्कार वैली स्कूल के संचालक असलम पठान ,सैलाना पब्लिक स्कूल के निखिल मिश्रा, साकार अकादमी के पुखरान एवं विश्वास सर ,एकलव्य मॉडल स्कूल सैलाना के उपप्राचार्य श्री भाटी उपस्थित रहे ।रक्तदान शिविर में महाविद्यालय एवं एकलव्य स्कूल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। ब्लड बैंक से मीनाक्षी शर्मा एवं श्री यादव ने पूरी रक्त संग्रहण प्रक्रिया का संचालन किया। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ सौरभ ई लाल एवं विशेष सहयोग डॉक्टर अशोक रावत एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का रहा। कार्यक्रम के अंत में आभार डॉक्टर आर पी पाटीदार ने माना।

सी .एम. राइज उत्कृष्ट के छात्र का बाल रंग में राज्य स्तर के लिए चयनित

रतलाम। शासकीय सी.एम.राइज उत्कृष्ट उमा विद्यालय सैलाना का अंग्रेजी माध्यम की कक्षा 8 में अध्यनरत छात्र मयंक दिनेश कुशवाह का राष्ट्रीय बाल रंग पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्य पाठ प्रतियोगिता में शाला, विकास खंड,जिला और अंत में संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर अब राज्य स्तर के लिए चयनित हुआ है। संभाग स्तर की प्रतियोगिता गत दिवस उज्जैन में संपन्न हुई। 20 दिसम्बर को अब मयंक भोपाल में राज्य स्तर की प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे । छात्र की इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त रंजना सिंह ,सहायक संचालक प्रीति जैन, जनजाति कार्य विभाग में कार्यरत जिले के सभी प्राचार्य,संस्था प्राचार्य वीरेंद्र मिंडा ,शैलजा दवे ,मानसिंह डामोर,अंजना सक्सेना, रीता गुप्ता और विद्यालय के सभी शिक्षको ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की। मयंक का मार्गदर्शन विद्यालय के शिक्षक मुकेश मालवीय , सोनम सेंगर एवं शरद शिकारी ने किया। उल्लेखनीय हैं की यह छात्र विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करके उच्च स्थान अर्जित करता हैं। मयंक की माता श्रीमती बबली कुशवाह कृषि उपज मंडी सैलाना में कार्यरत है। विद्यालय स्तर से संभाग स्तर तक संपूर्ण प्रतियोगिता का संयोजन व्याख्याता डॉ.राजेश सोनी ने किया।

विधायक ने 86 लाख रुपए की लागत बनने वाले तालाब का किया भूमिपूजन

रतलाम। रतलाम जिले में सैलाना विधानसभा के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने केल्दा पंचायत के पूनापाड़ा गाँव में नवीन तालाब निर्माण का भूमि पूजन किया। विधान सभा क्षेत्र के सैलाना जनपद के पुनापाड़ा गाँव में बनने वाले तालाब का भूमि पूजन करने के दौरान विधायक डोडियार ने बताया कि घटिया निर्माण करने पर ठेकेदार और इंजीनियर के खिलाफ कार्रवाई कर तालाब को अच्छी गुणवत्ता में बनवाएँगे। डोडियार ने यह भी बताया कि तालाब बनने से कृषि सिंचाई की सुविधा होगी वही कुएँ ट्यूबवेल भी रिचार्ज होंगे जिससे पेय जल की समस्या भी दूर होगी। भूमि पूजन के दौरान जयस के कार्यकर्ता सहित ग्रामजन उपस्थित रहे।

संभाग आयुक्त ने शिवगढ़ में हार्टफुलनेस संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया

रतलाम ।उज्जैन संभाग आयुक्त संजय गुप्ता ने बुधवार को रतलाम जिले के वन परिक्षेत्र शिवगढ़ में हार्टफुलनेस संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों तथा सघन वन परियोजना का निरीक्षण किया ।इस दौरान कलेक्टर राजेश बाथम, जिला पंचायत सीईओ श्रृंगार श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, एसडीएम मनीष जैन, जनपद सीईओ गोवर्धन मालवीय, संजीव रघुवंशी, डॉ. वी. शास्त्री आदि उपस्थित रहे ।उल्लेखनीय है कि हार्टफुलनेस संस्था द्वारा ग्राम शिवगढ़ में 859 हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वन क्षेत्र निर्मित किया जा रहा है। संभागायुक्त ने क्षेत्र का भ्रमण कर हार्टफुलनेस संस्था द्वारा संचालित वानिकी एवं जल प्रबंधन कार्यों की सराहना की, इसे मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत करने का सुझाव दिया।

मां से बिछड़े बच्चे को मिलवाने के लिए वन विभाग ने की नई पहल

तेंदुए का ढ़ाई-तीन महीने का शावक कुएं से किया रेसक्यू

रतलाम। मां से बिछड़े हुए छोटे से बच्चे तेंदुए को उसकी मां से मिलवाने के लिए रतलाम के वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, नया प्रयास कर रहे हैं। दांत काड़ता, तीखे नाखून निकालकर कभी डरकर दूर भागता, कभी कौतुहल से पास आता नन्हा शावक जिसे देखने के लिए भी लोग आ रहे हैं।

मादा तेंदुआ के सुराग मिलने पर पिंजरे को रखा गया जंगल के करीब

यह बच्चा बाजना क्षेत्र के गढ़ीगमना गांव के कुएं में मिला था, लेकिन उसकी मां का मूवमेंट गांव कुआंरीमाता के जंगल में मिला। इसे देखकर गुरुवार को वन विभाग शावक को पिंजरे में लेकर कुआंरी पाड़ा पंहुचा। वहां इसे रखा गया है ताकि मां के आने पर इसे पिंजरे से छोड़ दिया जाए और वह मां के साथ चला जाए।

इसके पहले बाजना क्षेत्र के गांव गढ़ीगमना गांव में तेंदुए का एक नन्हा शावक मिला। मामला तब प्रकाश में आया जब बाजना तहसील मुख्यालय से करीब 8 किमी दूर स्थित गढीगमना गांव में एक बिना मुण्डेर के कुएं में ग्रामीणों ने तेंदूएं के नन्हे शावक को देखा। गांव के लक्ष्मण, विश्राम, सुनील आदि युवकों ने तेंदूएं के शावक को कुएं से बाहर निकाला। निकालने पर उन्हें एहसास हुआ कि यह तेंदुए का बच्चा है, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। वन विभाग बाजना के प्रभारी रेंज अधिकारी आजाद कुमार नागौरिया ने मीडिया को बताया यह शावक बीती रात किसी समय इस कुएं में गिर गया होगा। सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पंहुच कर शावक को अपने साथ ले गए। बुधवार रात में उसे कमरे में रखकर पशु चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। बच्चा पूरी तरह स्वस्थ पाया गया।

मां के पास भेजने की जुगाड़

इसके बाद शावक की पशु चिकित्सक से पूरी जांच करवाई गई। चिकित्सकों के मुताबिक शावक पूरी तरह स्वस्थ है। गुरुवार सुबह वन मंडलाधिकारी रतलाम नरेश कुमार दोहरे, वन परीक्षेत्र अधिकारी आजाद कुमार नागरिया, वन परीक्षेत्र बाजना नानूराम कटारा, बीट प्रभारी रजनीकांत जोशी, अन्य स्टाफ आदि ने उसकी मां तेदुआं का मूवमेंट कुआंरीमाता में देखा और उसे मां से मिलवाने के लिए उसे पिंजरे में डालकर ले जाया गया। श्री जोशी ने बताया कि शावक बीती रात में मां के साथ घूमने के दौरान गांव के कुएं में गिर पड़ा होगा। शावक की आयु करीब तीन माह की है। पिंजरे में लंबी रस्सी बांधी गई है। अगर पिंजरे के पास मां दिखाई दी तो पिंजरा खोल दिया जाएगा।

बढ़ रही है तेंदूओं की संख्या

जिले के सैलाना और शिवगढ क्षेत्रों में तेंदूओं की मौजूदगी पिछले कई सालों से देखी जा रही है। बाजना इलाके में पहली बार तेंदूएं की मौजूदगी प्रमाणित हुई है। बाजना इलाके में तेंदूएं का शावक मिलने से यह स्पष्ट है कि इस इलाके में कम से कम एक नर और मादा तेंदुआ मौजूद है और मादा तेंदुए के साथ तीन चार शावक हो सकते है। सैलाना और शिवगढ क्षेत्रों में तेंदुओं की तादाद लगातार बढने के संकेत भी इससे मिलते है।

कब्र से निकाले गए जुड़वा भाई-बहन, हत्या की आशंका

एसपी सहित अधिकारी मौके पर पंहुचे, फोरेंसिक टीम ने भी की जांच

4 माह के जुड़वां भाई-बहन की पानी के ड्रम में डूबने से हुई थी मौत

रतलाम। शहर की मदीना कॉलोनी में 4 माह के जुड़वा भाई-बहन की पानी के ड्रम में डूबने से मौत के मामले में पुलिस ने जांच शुरू की है। मजिस्ट्रीयल आदेश के बाद दोनो बच्चों के दफना दिए गए शवों को शेरानीपुरा कब्रिस्तान से गुरुवार को पुलिस की मौजूदगी में निकाला गया। शवों का पीएम करवाने के साथ फोरेंसिक टीम भी जांच करने पंहुची। दोपहर में एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर भी मौके पर पंहुचे। पुलिस ने बताया कि मामला संदिग्ध है जिसके कारण जांच की जा रही है। इसके पहले घटना मदीना कॉलोनी क्षेत्र में 20 नवंबर बुधवार दोपहर 3ः00 बजे की है। बच्चों के पिता अमीर कुरैशी ने पुलिस को बताया कि उनके चार माह के दो जुड़वा बच्चे थे। एक लड़की और एक लड़का। बुधवार दिन में जब उनकी पत्नी बच्चों को लेकर धुप में पानी के ड्रम के पास खड़ी थी तभी एक बच्चा पानी के ड्रम में गिर गया। पत्नी जब उसे निकालने गई तो दूसरा बच्चा भी टंकी में गिर गया। यह देखकर पत्नी वहीं बेहोश होकर गिर गई। होश में आने के बाद पत्नी ने पति आमिर को पूरा घटनाक्रम बताया था। जब पति घर पहुंचा तो दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। बाद में परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए बच्चों के शव को दफना दिया।

पुलिस को सूचना पहले ही कर दिया था दफन

परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर बच्चों के शव को दफना दिया था। सूत्रों से जब पुलिस को 4 माह के जुड़वा भाई-बहन की मौत की सूचना बुधवार शाम को मिली थी तब से ही पुलिस जांच में जुट गई थी। पुलिस ने जांच के लिए शवों को निकालना जरूरी था जिसके लिए एसडीएम को प्रतिवेदन दिया गया। गुरुवार दोपहर को एएसपी राकेश खाखा एवं तहसीलदार ऋषभ ठाकुर की मौजूदगी में शेरानीपुरा कब्रिस्तान से बच्चों के शव को निकाला गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौके पर मौजूद एएसपी खाखा ने बताया कि मामला संदिग्ध है। परिजनों ने बिना शव परीक्षण कराए दफना दिया था। इसलिए तहसीलदार ठाकुर की मौजूदगी में शवों को निकालकर जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद आगे की कार्यवाही होगी।

घर का किया निरीक्षण

एसपी कुमार, एएसपी खाखा, सीएसपी आदि मदीना कालोनी स्थित घटानस्थल तक पंहुचे ।यहां उन्होंने घर में रखे पानी के ड्रम देखे। ऊंचाई और ड्रम का छोटा सा मुहाना देखकर प्रथम दृष्टया बच्चों का अपने-आप अंदर गिरना बेहद मुश्किल प्रतीत हो रहा है ।हालांकि एसपी ने कहा कि इस बारे में पूरी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जाएगा।

पूज्य श्री रामचन्द्र जी डोंगरे महाराज की 34 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

रतलाम। पूज्य श्री रामचन्द्र जी डोंगरे महाराज द्वारा स्थापित श्री बद्रीनारायण सेवा ट्रस्ट द्वारा आज डोंगरे महाराज की 34 वीं पुण्यतिथि त्रिवेणी तट स्थित अन्न क्षेत्र परिसर में मनाई गई। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि पूज्य श्री रामचन्द्र जी डोंगरे महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर ट्रस्ट द्वारा महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती पूजन किया गया। तत्पश्चात निराश्रितों को भोजन कराया गया।

साथ ही ट्रस्ट द्वारा नगर के सभी अन्न क्षैत्रों में भोजन वितरण किया गया। आपने बताया कि कहा कि महाराज के आशीर्वाद से संचालित अन्न क्षैत्र तीन दशक से निरंतर संचालित हो रहा है और प्रतिदिन निराश्रित व्यक्तियों को भोजन प्रसादी ग्रहण करवाई जाती है। इस अवसर पर उपस्थितजनों द्वारा महाराज के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सचिन नवनीत सोनी, मनोहर पोरवाल, सत्यनारायण पालीवाल, चेतन शर्मा, गोविंद लाल राठी, अवध नरेश दुबे, पुरूषोत्तम पटेल, श्रीमती प्रमिला, श्रीमती गंगा बाई, यशोदा दवे, सरस्वती बाई आदि गणमान्यजन उपस्थित थे।

सवा लाख से ज्यादा की ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, दो थाना क्षेत्र में हुई कार्यवाही, एनडीपीएस में मामला दर्ज

रतलाम। जिले में दो अलग अलग थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने तस्करी करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से सवा लाख से ज्यादा की ब्राउन शुगर सहित अन्य सामग्री को जब्त करते हुए एनडीपीएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जाँच में लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को नामली थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचेड रोड मुकेश राठौर के मकान के सामने से आरोपी प्रेम गिरी पिता अमर गिरी जाति गौस्वामी नि. ग्राम नयापुरा को किया गया। आरोपी से एक प्लास्टिक की थैली मे भरा मादक पदार्थ रूष्ठ ड्रग्स मूल वजनी 08.66 ग्राम जिसकी अनुमानित किमती 85,000 रुपये आर्टीकल व ब्राउन शुगर स्मैक पाउडर मूल वजनी 05.79 ग्राम अनुमानित किमती 18,000 रुपये, एक होण्डा स्कूटी रूक्क 43 रूष्ठ 6056 करीबन 25,000 रूपये, सैमसंग गैलैक्सी मोबाईल किमती करीबन 5,000 रुपये , नगदी 100 रूपये, कुल किमती 1,33000 रुपये जब्त किया गया। इसी प्रकार दिनदयाल थाना क्षैत्र अंतर्गत आबकारी कम्पाउण्ड वेद व्यास कालोनी रोड, दरगाह से पास आरोपी रफीक पिता छोटे खाँ जाति कुरैशी निवासी सुभाष नगर, सज्जु उर्फ इमरान निवासी जैल रोड मेवातीपुरा जावरा दोनों से 12 ग्राम स्मेक कुल किमती 40, 000 रुपए से जब्त कर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने जावरा तथा आलोट के मतदान केंद्रों पर निर्वाचक नामावली, संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया

रतलाम। उज्जैन संभाग आयुक्त संजय गुप्ता ने बुधवार को जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जावरा तथा आलोट के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर निर्वाचक नामावली संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। बूथ लेवल अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एसडीएम सुनील जायसवाल, त्रिलोचन गौड आदि उपस्थित थे। संभाग आयुक्त ने आलोट के ग्राम भूतेडा के मिडिल स्कूल में मतदान केंद्र क्रमांक 19 तथा 20 में निरीक्षण किया। जावरा में शासकीय भगतसिंह कॉलेज में स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 265 तथा 267 पर मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया। मतदाता सूची में नवीन मतदाताओं को जोडने, घटाने, संशोधन की कार्यवाही से अवगत हुए।

रॉयल कॉलेज खेल महोत्सव में छात्रों के लिये एथलेटिक्स खेलों का आयोजन

रतलाम। रॉयल ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित स्पर्धा में छात्रवर्ग के लिये अंतर कक्षाऐं एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रॉयल कॉलेज के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् 775 छात्रों ने विभिन्न एथलेटिक्स खेल स्पर्धाएं जैसे - डिक्स थ्रो, जेवेलिन थ्रो, 100 मीटर व 400 मीटर रिले रेस में भाग लिया। डिस्क थ्रो में अरूण पाटीदार, शेख अनुशूल व नारायण धाकड़ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। इस तरह जेवलिन थ्रो में कृतज्ञ पाटीदार, रेहान मंसूरी व रोहन बर्मन क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। शॉर्ट पुट (गोला फेंक) में अरूण पाटीदार, शेख अनुशूल व नारायण धाकड़ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर रेस में रेहान मंसूरी, राजकुमार धाकड़ व विजय चैधरी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे तथा 400 मीटर रिले रेस में दीपक जाट, श्याम पालीवाल, दिव्यराज, विशाल सिसोदिया प्रथम, राजकुमार धाकड़, नारायण, अरबाज, मयंक द्वितीय तथा आशीष जाट, विनय जाट, पंकज अहीर, शिवम मंडलोई तृतीय स्थान पर रहे। रॉयल खेल महोत्सव के पुरूष वर्ग के समन्वयक प्रो. कपिल केरोल ने बताया कि, एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिताओं के पश्चात् रॉयल कॉलेज के छात्रों के लिये क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबाल एवं वालीबाल जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है, जिनकी टीमें भी निर्धारित हो चुकी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्यगण डॉ. मनीष सोनी, डॉ. प्रवीण मंत्री, डॉ. आर.के. अरोरा, डॉ. अमित शर्मा, जगदीश डूके, प्राध्यापकगण डॉ. आनन्द त्रिवेदी, प्रो. गजराज सिंह, प्रो. धर्मेन्द्र मकवाना, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. मृदुला उपाध्याय, प्रो. विनिता धाकड़, प्रो. नेन्सी धीमन, प्रो. गरिमा मिश्रा एवं प्रो. सुधा परिहार आदि उपस्थित रहें।

OFFICE OF THE LABOUR COURT, RATLAM (M.P.)

NOTICE

Case No./2022_W.C.F.

WHEREAS a claim for compensation has been made by (1) **कंकुबाई उर्फ लक्कुबाई पति स्व. कमल मईड़ा, (2) मणीबाई पति लक्ष्मण, (3) अनिता पति स्वर्गीय कालु** applicant for compensation. You are hereby informed to appear in this court in person or by pleader duly instructed and able to answer all material questions relevant to the application or who shall be accompanied by some person to answer the questions on 11/12/2024 at 11.00 am. in the Labour Court Ratlam to contest the claim for compensation made by the said applicant.

TAKE NOTICE that in default of your appearance on the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence. Given under my hand the seal of the court this 08 day of नवम्बर 2024

Encls : No 422 Dated 18/11/24

जय पादीदार
COMMISSIONER
for Workmen's Compensation
Labour Court Ratlam (M.P.)

To

1. ईश्वर कुमार पिता तुलसीराम अग्रवाल, निवासी-बी/205 महिमाग्रुप, सागानेर रोड़, जयपुर (राज.) हाल मुकाम- जय बालाजी कंपनी सेक्टर नं. 3 पीथमपुर जिला धार (म.प्र.)
2. सुरेन्द्र पिता मांगुसिंह ठेकेदार जय बालाजी कंपनी सेक्टर नं. 3 पीथमपुर जिला धार म.प्र.। निवासी-239 ईश्वर नगर रतलाम म.प्र.।
3. सोनू पिता सुरेन्द्रसिंह सुपरवायजर, जय बालाजी कंपनी सेक्टर नं. 3 पीथमपुर जिला धार म.प्र.। निवासी- ईश्वर नगर रतलाम म.प्र.।

राष्ट्रीय जनभावना

श्वेता का किरदार वास्तविक जीवन से बहुत दूर

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ये काली काली आंखें के बहुप्रतीक्षित दूसरे सीज़न में शिखा के रूप में अपनी भूमिका दोहरा रही है, श्वेता ने साझा किया, , शिखा का किरदार मेरे किरदार से बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद लेती हूं। , शो वास्तव में सवाल पूछता है, आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? इस सीज़न में शिखा खुद को इसी यात्रा पर पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को गहराई में ले जाएगा और डराएगा भी। इस सीज़न में, दर्शकों को मेरे किरदार का एक स्त्री और कमज़ोर पक्ष दिखाई देगा, फिर भी वह उग्र और दृढ़ है। यह जीवन में एक रोमांचक संतुलन है।

नरगिस की बहुमुखी फिल्मोग्राफी

नरगिस फाखरी ने विभिन्न भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दर्शकों को लगातार प्रभावित किया है। रोमांस से लेकर एक्शन तक, उनके किरदारों ने अमिट छाप छोड़ी है। यहां पांच असाधारण फिल्में हैं जो उनकी अविश्वसनीय प्रतिभा को उजागर करती हैं- रॉकस्टार- रॉकस्टार में हीर कौल के रूप में नरगिस फाखरी की भूमिका उनकी सबसे प्रतिष्ठित है। एक स्वतंत्र-उत्साही, भावुक महिला के रूप में, उनके प्रदर्शन ने दर्शकों को जीवन और प्यार को पूरी तरह से अपनाने के लिए प्रेरित किया। मैं तेरा हीरो- मैं तेरा हीरो में नरगिस फाखरी का आयशा सिंघल का किरदार स्टाइलिश, हास्यपूर्ण और बेपरवाह था। उनके आकर्षण, कॉमेडी टाइमिंग और फैशन-फ़ॉरवर्ड लुक ने इस भूमिका को उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक बना दिया। बैंजो- बैंजो में नरगिस फाखरी ने एक संगीत प्रेमी क्रिस्टीना का किरदार निभाया था, जो प्रामाणिक भारतीय संगीत की खोज के लिए मुंबई की यात्रा करती है। उनका हार्दिक प्रदर्शन फिल्म के संगीत, दोस्ती और कलात्मक संघर्षों की खोज में गहराई जोड़ता है। मद्रास कैफे: मद्रास कैफे में नरगिस फाखरी ने एक युद्ध संवाददाता की भूमिका निभाई थी।

एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर : सुष्मिता

मुंबई । बालीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने एक बार फिर अपने प्रेरणादायक दृष्टिकोण से फैंस का दिल जीत लिया। इंस्टाग्राम पर सुष्मिता सेन ने एक प्रेरक संदेश साझा करते हुए लिखा, एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर है। सुष्मिता ने अपने पोस्ट में बताया कि सपने देखना जितना महत्वपूर्ण है, उससे भी अधिक जरूरी है उन्हें हकीकत में बदलने का प्रयास करना। उन्होंने कहा, इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है, लेकिन बिना गति के यह बेकार है। उनका संदेश इस बात पर जोर देता है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उपलब्धियों का आधार बन सकते हैं। हाल ही में सुष्मिता को दांत के दर्द के इलाज के लिए एक दंत चिकित्सक के पास जाते हुए देखा गया। जब क्लिनिक के बाहर पैपराजी ने उनसे बातचीत की, तो उनकी आवाज में लड़खड़ाहट स्पष्ट थी, जो दर्द और एनेस्थीसिया का परिणाम थी। इसके बावजूद उन्होंने अपनी खास गर्मजोशी और विनम्रता से पैपराजी का अभिवादन किया, जो उनके अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। सुष्मिता का यह संदेश उनके फैंस के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मृणाल ने दिया दिल छू लेने वाला संदेश

मोहब्बयत से बदले तक का सफर 'ठुकरा के मेरा प्यावर' इंतक़ाम की एक नई दिलचस्पन कहानी है, जो भारत के ग्रामीण परिवेश को परदे पर साकार करती है। शो की कहानी दमदार है, जहां प्याएर प्रतिशोध में बदल जाता है और धोखा मुक्ति की तलाश को बढ़ावा देता है। बॉम्बेह शो स्टूलडियोज द्वारा निर्मित और श्रद्धा पासी जैरथ द्वारा निर्देशित, इस अनोखी कहानी में प्रेम और उसे पाने के जुनून को दिखाया गया है। इसके लेखक कमल पांडे हैं। इसमें धवल ठाकुर और संचिता बसु जैसे नवोदित कलाकारों के साथ अनिरूद्ध दवे और कपिल कनपुरिया जैसे मशहूर कलाकार प्रमुख किरदार निभा रहे हैं।मृणाल ठाकुर के भाई धवल ठाकुर ने सीरीज के साथ मनोरंजन उद्योग में कदम रखा है, इसलिये मृणाल ने दिल को छू लेने वाला एक संदेश दिया ।

अभिषेक फिर से कंपाउंडर

हिट सिरीज़ मिर्ज़ापुर में अभिषेक बनर्जी, जो कंपाउंडर के गहन और यादगार किरदार के लिए जाने जाते हैं, आगामी मिर्ज़ापुर फिल्म में वापसी करने के लिए तैयार हैं। बड़े पर्दे पर किरदार को फिर से जीवंत करते हुए, बनर्जी ने अपने अविस्मरणीय प्रदर्शन में एक और आयाम जोड़ा है, जिसमें स्त्री ब्रह्मांड में जना के रूप में उनकी हालिया भूमिका शामिल है। मिर्ज़ापुर मूवी पहले से ही देश भर में उत्साह पैदा कर रही है ।

करुणा ने सीखा कानपुरी लहजा

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडे ने हाल ही में शो में दोहरी भूमिका निभाई है। इसमें वह पुष्पा और उसकी हमशक्ल बसंती दोनों की भूमिका में हैं। कहानी में एक चौंकाने वाला मोड़ आता है, जिसमें कानपुर में रहने वाली बसंती मुंबई में पुष्पा के परिवार में पहुंच जाती है, जबकि असली पुष्पा खुद को बसंती की जगह कानपुर में पाती है।करुणा पांडे ने बताया कि कैसे उन्होंने बसंती की भूमिका निभाने के लिए कानपुर की बोलने की शैली को अपनाया और कैसे एक कलाकार होना और हर दिन कुछ नया सीखना मजेदार है बसंती को भरोसेमंद तरीके से चित्रित करने के लिए मुझे ग्रामीण जीवन की बारीकियों में उतरना पड़ा क्योंकि वह कानपुर के चुन्नीगंज नामक स्थान से आती है।

खुशी और लैश ने विक्टरी एंथमसे धमाल मचा दिया

भारत में हिप-हॉप जगत के उभरते सितारे, खुशी टीडीटी और लैश करी विक्टरी एंथम के रिलीज के साथ साहस और आत्मविश्वास की एक नई लहर लेकर आए हैं। खुशी टीडीटी ने कहा यह गाना उन सभी लोगों के लिए एक दम सटीक है जिन्हें कभी कम आंका गया हो। विक्टरी एंथम खुद पर भरोसा करने और जब कोई साथ दे ना दे, तब अपने अंदर की शक्ति को पहचानने और आगे बढ़ने की ताकत पाने के बारे में है। मुझे जो भी सपोर्ट और प्यार मिला, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। आपके प्यार की बदौलत ही मेरे संगीत कायम हैं, और मैं अपने इस सफर को आप सभी के साथ साझा करने के लिए बेहद बेकरार हूं। यह गाना उन सपने देखने वालों के लिए है जो तब भी कोशिश करते रहते हैं, जब कोई उनके ऊपर विश्वास नहीं करता।

मानुषी छिल्लर मंच पर लगाएंगी

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के 55वें संस्करण में अपना पहला लाइव प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो गोवा में 20 से 28 नवंबर 2024 तक आयोजित हो रहा है। मनुषी ने अपनी सोशल मीडिया पर अपनी रिहर्सल की कुछ बैकस्टेज तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह इस प्रतिष्ठित मंच पर अपनी पहली बार लाइव परफॉर्मेंस की तैयारी कर रही हैं। यह उनके लिए पहली बार है जब वह किसी स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस देने जा रही हैं। रिहर्सल की तस्वीरों का एक सीरीज साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कमींग सून।

रात 8 बजे तेनाली रामा लॉन्च करने की तैयारी!

सोनी सब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार अनुरोध आ रहे थे और इनके जवाब में सोनी सब ने बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक मनोरंजन शो तेनाली रामा का प्रीमियर रात 8 बजे के समय पर इस दिसंबर करने की तैयारी कर ली है। तेनाली रामा के विजयनगर राज्य में लौटने पर हास्य, बुद्धि और जीवन के सबक से भरपूर एक नई चुनौती का सामना करते हुए तेनाली चार छोटे बच्चों का मार्गदर्शन भी करता है। उन्हें विजयनगर के भविष्य के रक्षक के रूप में आकार देता है। हाल ही में शो का प्रोमो जारी किया है। इसमें विजयनगर के राजा के एक समय के सम्मानित सलाहकार को एक गिरे हुए नायक के रूप में दिखाया गया, जिसे बहिष्कृत कर दिया गया है और नागरिकों के क्रोध का सामना करना पड़ता है।

ठहरे रहें गाने का टीज़र रिलीज़,

'सिकंदर का मुक़द्दर' के निर्माताओं ने अपने आगामी गाने ठहरे रहें का रोमांचक टीज़र जारी किया है। इस 15-सेकंड के टीजर में गाने की भावनाओं की झलक दिखाई गई है, जो 21 नवंबर 2024 को पूरी तरह रिलीज होगा, और इसे देखकर फैंस बेसब्री से इसके आने का इंतजार कर रहे हैं। गाने के टीज़र में तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी की केमिस्ट्री को लेकर इशारा किया गया है।डकैती का यह ड्रामा, रोमांचक अनुभव का वादा करता है क्योंकि संदिग्धों का एक समूह ?60 करोड़ के सॉलिटेयर हीरों की चोरी में अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष करता है। ट्रेलर में ट्विस्ट और टर्न से भरी एक जटिल कहानी को पेश करके पहले ही धूम मचा दी है।

रहमान की 29 साल की शादी टूट गई

बॉलीवुड के फेमस सिंगर एआर रहमान की 29 साल की शादी टूट गई है। वकील वंदना शाह ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, शादी के कई साल बाद सायरा बानो के लिए यह बहुत ही मुश्किल फैसला है कि वह अपने पति एआर रहमान से सेपरेट हो रही हैं। दोनों ने ये फैसला तब लिया जब इमोशनली तनाव पैदा हुआ। एक दूसरे से प्यार के बावजूद दोनों ने ये महसूस किया है कि किस कद्र उनके बीच तनाव और मुश्किलें बढ़ रही हैं। इस खाई को पाटना अब और सक्षम नहीं था। ऐसे में सायरा ने इस बात पर जोर दिया और ये कठिन फैसला लिया। वह अनुरोध करती हैं कि सभी उनकी प्राइवेसी का ख्याल रखें। हालांकि एआर रहमान के तलाक का कारण साफ नहीं बताया गया है। बस इस बात की ओर ही इशारा किया गया है कि दोनों के बीच काफी वक्त से तनाव चल रहा है। दोनों ने ही इसे ठीक करने की भी काफी कोशिश की लेकिन चीजें सुलझती नहीं दिखीं तो अब शादी के 29 साल बाद एआर रहमान और उनकी पत्नी सायरा ने अलग होने का फैसला ले लिया है। रहमान और सायरा के तीन बच्चे हुए, दो बेटियां और एक बेटा। रहमान का बेटा आमीन सिंगर हैं जबकि बड़ी बेटी खातिजा पिता की तरह म्यूजिक कंपोजर हैं।

मणिपुर बन रहा स्वर्ग

मुखिया जी ने चौपाल की खबरी पटवारी लाल से पूछा-पटवारी मणिपुर जल रहा है इस खबर को चौपाल के लोगों अब तक नहीं पहुंचा वास्तव में बात क्या है, 17 महीना हो गए अभी भी वहां दंगा फसाद हो रहा है और भारत के गृहमंत्री। भारत के प्रधानमंत्री अब तक वहां स्थिति कंट्रोल करने के लिए गए नहीं. मणिपुर अलग देश है क्या मुखिया जी! मणिपुर जल नहीं रहहै है। मणिपुर स्वर्ग बनाया जा रहा है। जब मणिपुर को जब स्वर्ग बनाया जा रहा है तो वहां किसी को जाने की क्या आवश्यकता है तुम्हारे मुंह से यह बात सुनकर मैं बहुत दुखी हूं। जब देश के गृह मंत्री और प्रधानमंत्री घटनाओं को जान सुनकर दुखी नहीं है तो आपको दुखी होने से क्या होता है , मणिपुर स्वर्ग बन रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को जाता है । यह सच है। पटवारी यह क्या कह रहा है सच यही है । लेकिन इन दिनों सच कहना गुनाह है। सच कहने पर लोग मुंह नोच लेने के लिए तैयार खड़े हैं इसके लिए सरकार ने एक फौज खड़ी कर रखी है। उस फौजी का काम है सरकार के नीतियों के खिलाफ जो मुंह खोलता है उसके मुंह को बंद कर देना है। मणिपुर देश विदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन सरकार और उसके नेता धृष्ट राष्ट्र बन गए हैं महिलाओं को नंगा कर के सरे आम वहां घुमाया गया । लेकि संवेदनहीन सरकार को इस घटना से क्या लेना देना है महारानी द्रोपती को भी तो वस्त्र रहीम पिया गया था अगर मणिपुर के औरतों को नंगा किया गया तो क्या होगा अब तो स्थिति यह है कि वहां के शासक दल के दल के नेताओं के घरों को जलाया जा रहा है मुख्यमंत्री के घर तक सुरक्षित नहीं है। कर्फ्यू लगाकर स्थिति को कब तक शांति बहाल रखी जाएगी ! मणिपुर की घटनाएं भविष्य के लिए चिंता का विषय है। मणिपुर जैसे स्थिति संपूर्ण देश की तो क्या होगा। गाड़ी के लिए देश को पुणे एक बार विभाजित किया जाएगा क्या यह सवाल उनके लिए चिंता का विषय है जो देशभक्त है। नकली देशभक्ति से देश सुरक्षित नहीं रह सकता है । इस बात को कहने में मुझे संकोच नहीं है।

अरविंद विद्रोही
बिरसा नगर जॉन वर्क 2 रोड नंबर 2 जमशेदपुर 19
मोबाइल 87897 1 8130

इंदौर में भी बीआरटीएस हटाएगी सरकार सीएम डॉ. मोहन यादव ने की यह बड़ी घोषणा

इंदौर (नप्र)। इंदौर शहर में एबी रोड पर बने बीआरटीएस को हटाया जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शहर में मीडिया से चर्चा करते हुए यह बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जनता को इससे परेशानी हो रही है और जनप्रतिनिधियों की मांग पर यह निर्णय लिया जा रहा है। सीएम ने कहा कि अदालत में भी सरकार की ओर से हम इस संबंध में अपना पक्ष रखेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में जैसे बीआरटीएस हटाया गया है, उससे यातायात में सुविधा मिली है। इंदौर में भी बीआरटीएस को लेकर हमें लोगों की शिकायतें मिल रही है, जो भी तरीका लगाना पड़ेगा, इसे हटाएंगे। कोर्ट के सामने भी हम अपना पक्ष रखेंगे। सब लोगों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए हमने निर्णय लिया है। उम्मीद है कि इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। गौरतलब है कि इंदौर में बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) को लेकर एमपी हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में जनहित याचिकाएं लगी हैं। बीआरटीएस पर हर दिन यात्री बसों का संचालन किया जाता है। इन बसों में रोजाना 50 हजार से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। लेकिन बीआरटीएस की वजह से अन्य वाहनों को जगह कम मिलती है और इस पूरे रूट पर कई जगह जाम की स्थिति बन जाती है। इंदौर में राजीव गांधी प्रतिमा से लेकर निरंजनपुर तक करीब 11.5 किमी लंबा बीआरटीएस बना हुआ है। जिसमें केवल बसों का संचालन किया जाता है। इसके साथ ही यहां एंबुलेंस को निकलने की अनुमति है।

महाराष्ट्र के इस एग्जिट पोल ने मचाया तहलका !

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में किसकी सरकार बनेगी और कौन बाजी पलटेगा? इसको लेकर बुधवार को आए तमाम एग्जिट पोलों में अलग-अलग आंकड़े पेश किए गए हैं. किसी ने महविकास अघाड़ी तो किसी ने महायुति को बहुमत मिलने के संकेत दिए. अब गुरुवार को एक्सिस माई इंडिया ने अपने एग्जिट पोल के आंकड़े जारी कर दिए हैं जिसके मुताबिक महायुति गठबंधन की सरकार बनने के आसार लग रहे हैं. 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में बहुमत का आंकड़ा 145 है. एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक, महायुति को 178 से 200 सीटें मिल सकती हैं. वहीं महविकास अघाड़ी को 82 से 102 सीटें मिल सकती हैं. अन्य के खाते में 6 से 12 सीटें जा सकती हैं. पार्टी के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो बीजेपी को 98 से 107 सीटें, शिवसेना को 53 से 58 और अजित पवार की एनसीपी को 25 से 30 सीटें मिल सकती हैं. महाविकास अघाड़ी के घटक कांग्रेस को 28 से 36 सीटें, शिवसेना-यूबीटी को 26 से 32 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी को 26 से 30 सीट मिलने की संभावना है. सपा और पीडब्ल्यूपीआई को दो से चार सीटें मिल सकती हैं. इस बार के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 149, शिवसेना ने 81, एनसीपी ने 59, कांग्रेस ने 101, शिवसेना (यूबीटी) ने 95, एनसीपी (एसपी) 86, वंचित बहुजन अघाड़ी ने 200, बीएसपी ने 237, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और एआईएमआईएम ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. 2019 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 105 सीटें मिली थीं. उसका वोट शेयर 25.75 प्रतिशत था. अविभाजित शिवसेना ने 56 सीटें जीती थीं और उसका वोट शेयर 16.41 था. दोनों ही पार्टियों को 2014 के मुकाबले सीटों का नुकसान झेलना पड़ा था. अविभाजित एनसीपी ने 54 सीटें जीती थीं और उसका वोट शेयर 16.71 प्रतिशत रहा था. एनसीपी को उस चुनाव में 13 सीटों का फायदा हुआ था. 44 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं और उसे 15.87 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे. एआईएमआईएम ने दो सीटें जीती थीं और उसे 1.34 प्रतिशत ही वोट मिले थे।

आज दिल्ली में भाजपा की बैठक, मंडल अध्यक्षों के लिए तय होगी गाइडलाइन

इन्दौर। बूथ समितियों के चुनाव लगभग निपटने के बाद अब भाजपा मंडल अध्यक्षों के चुनाव को लेकर तैयारी शुरू करने वाली है। इसको लेकर राष्ट्रीय स्तर पर शुक्रवार को दिल्ली में बैठक होने वाली है, जिसमें मंडल अध्यक्ष के चुनाव की गाइडलाइन तय की जाएगी। पिछली बार भाजपा ने संगठन चुनाव में एक नया प्रयोग करते हुए मंडल अध्यक्षों की उम्र निर्धारित कर दी थी और 90 प्रतिशत से ज्यादा मंडलों में 35 साल तक के युवाओं को मंडल अध्यक्ष बनाया गया था और जिलाध्यक्ष भी 50 साल से कम के ही थे। इसको लेकर शुरुआत में विरोध तो हुआ, लेकिन बाद में युवाओं ने जब पार्टी की बागडोर संभाली तो यह प्रयोग सफल रहा। इस बार भी कुछ ऐसा ही प्रयोग पार्टी कर सकती है। हालांकि अभी मंडल अध्यक्ष को लेकर किसी तरह की गाइडलाइन सामने नहीं आई है। शुक्रवार को दिल्ली में बैठक होने जा रही है, जिसमें गाइडलाइन तय होने की संभावना है। इसके बाद इसी माह भोपाल में बैठक होगी। अगर पिछली बार का प्रयोग ही इस बार किया जाता है तो कई युवाओं को पार्टी में नेतृत्व करने का मौका मिलेगा।

मुर्गा-मुर्गी के भाव बिक रहे जनप्रतिनिधि

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पटवारी ने बोला हमला; कहा-लोकतंत्र खतरे में

इन्दौर। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने महाराष्ट्र की चुनावी सभाओं के बाद आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कल होने वाली प्रदेश कार्य समिति की बैठक की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक 21 और नवंबर को होने वाली है। इसमें संगठन की मजबूती के लिए ओर मैदानी स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। इसके पहले पटवारी ने एक बयान में महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने स्वायत संस्थाओं को ध्वस्त कर दिया। चुनाव आयोग की मर्यादा को तार-तार कर दिया। भाजपा नेता तावड़े जिस तरह से पांच करोड़ नगद देते पकड़े गए, वह महाराष्ट्र और झारखंड का जन-जन देख रहा है। प्रशासन की अकर्मण्यता भी इसमें दिखाई दी। पटवारी ने कहा कि बीजेपी भारत को दुनिया का सबसे भ्रष्ट देश बनाना चाहती है और चुनाव आयोग भी साथ हो गया। विधायक-सांसदों की खरीद फरोख्त खुलेआम हो रही है। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पटवारी ने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है, महाराष्ट्र में एक-एक चुनाव 50-50 करोड़ में लड़ा जा रहा है। बीजेपी ने गाय, बैल, मुर्गा-मुर्गी और गुलामों की तरह जनप्रतिनिधियों को बिकवाया है। महाराष्ट्र में जनता ने बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव को करोड़ों रुपए के साथ पकड़ा, जो केंद्रीय नेता के निर्देश पर पैसे बांटे जा रहे थे।

कांग्रेस मंडियों में आंदोलन करेगी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि किसानों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस अब मंडियो में आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल, धान 3100 रुपए और गेहूं के दाम 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर दूसरे चरण में अब मंडियों में आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में किसानों के साथ कुठाराघात हो रहा है। गुना में किसान भगवत किरार ने कहा कि उसे खाद का एक दाना नहीं मिला, मैं 2 दिन बाद उस किसान के घर जा रहा हूं। पटवारी ने कहा देश के कृषि मंत्री जा-जाकर कहानी सुना रहे हैं और एमपी के किसान आत्महत्या करने मजबूर हैं।

मुस्लिमों पर आरएसएस की नजर

जल्द शुरू होगा राष्ट्रीय मुस्लिम मंच का सदस्यता अभियान

इन्दौर। भाजपा की सदस्यता अभियान से छूटे मुस्लिमों पर अब आरएसएस की नजर है। माना जा रहा है कि भाजपा की पहुंच से 50 फीसदी से अधिक मुस्लिम अब तक दूर हैं। ऐसे में संघ के अनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सदस्यता अभियान चलाएगी। बताया जा रहा है कि इस अभियान का आगाज दिसंबर में होगा।

इसे लेकर राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के प्रदेश संयोजक तौफीक अहमद का बयान भी सामने आया है। उनका कहना है कि बीते सदस्यता अभियान में सर्वाधिक मुस्लिमों को मंच से जोड़ा गया था। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में अभियान का असर दिखाई दिया। हमारा लक्ष्य राष्ट्रवाद के लिए है। संघ के साथ राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ने के लिए अल्पसंख्यक वर्ग से संवाद किया जाएगा। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक मुस्लिमों को सदस्य बनाने का है। बीते 70 साल में मुस्लिमों का राजनीतिक दलों ने शोषण किया। अब केंद्र और प्रदेश की योजना से मुस्लिम भी लाभान्वित हो रहे हैं।

आरोप-प्रत्यारोप शुरू

वहीं, इस पर कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने कहा कि यह संघ और भाजपा के दोहरा चरित्र है। दिखाते कुछ और करते कुछ और हैं। पूरे देश में माहौल बिगाड़ रखा है। काटेंगे बाटेंगे जैसे बयान किसके। ये सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का काम करते हैं। साधु-संतों तक को चुनाव में लगाकर प्रचार कराते हैं। अल्पसंख्यक को गुमराह करने का काम करते हैं। पहले संदेह जताते हैं फिर राष्ट्रवाद की बात करते हैं। दोनों ही संगठन की आधारशिला ही बेईमानी है। इधर, भाजपा नेता शुभम शुक्ला का कहना है कि राष्ट्रवाद के लिए आरएसएस के अलग-अलग प्रकल्प काम करते हैं। राष्ट्र के लिए चेतना जागने का काम करते हैं। यह स्वागत योग्य कदम है। मुस्लिम राष्ट्रवाद से जुड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पीएफआई और सिमी जैसी संगठनों के साथ होती है। आतंकवादियों के साथ होती है। यह अंतर कांग्रेस और भाजपा में बहुत स्पष्ट देखा जा सकता है। कांग्रेस की राजनीति पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे दो पड़ोसी देश में दिखती है।

बुधनी विधानसभा का पहले आएगा रिजल्ट

इन्दौर। श्योपुर जिले की विजयपुर एवं सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा में हुई वोटिंग के बाद मतगणना की तैयारियां जिला निर्वाचन अधिकारियों ने पूरी करा ली हैं। राउंडवार गणना के आधार पर पहले बुधनी और फिर विजयपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम घोषित होगा। 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना आरंभ होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी को मतगणना के लिए सभी सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। विजयपुर विधानसभा में मतगणना शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज श्योपुर में होगी। इस विधानसभा क्षेत्र के 327 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 16 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 21 राउंड में कराई जाएगी। बुधनी विधानसभा में मतगणना शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होगी। 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। 363 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 2 कक्षों में 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 13 राउंड में कराई जाएगी।

बजट के लिए मप्र सरकार ने जनता से मांगे सुझाव

बजट 2025 के लिए 15 जनवरी तक लोग दे सकते हैं अपने सुझाव

इन्दौर। बजट 2025 की तैयारियों में जुटी मोहन यादव सरकार ने प्रदेश के लोगों से बजट को लेकर सुझाव मांगे हैं। सरकार ने प्रदेश के लोगों से पूछा है कि किस जिले में किस तहसील में किस तरह के उद्योग या लघु उद्योग लगाए जा सकते हैं जिससे रोजगार बढ़ सके। प्रदेश में पुराने शहरों की सड़कों, गलियारों के चौड़ीकरण, कस्बों के अंतर्विकास और अतिक्रमण व झुग्गीमुक्त बनाने को लेकर भी सुझाव देने के लिए कहा है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था को लेकर किस तरह का बदलाव लोग चाहते हैं, इस बारे में भी सुझाव देने के लिए कहा गया है।

डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा विकसित मध्यप्रदेश 2047 का विजन तैयार किया जा रहा है। इसमें तय लक्ष्यों की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का लोक कल्याणकारी बजट तैयार किया जाएगा। समाज के सभी वर्गों से मिलने वाले सुझावों, मार्गदर्शन, प्राथमिकताओं से प्रदेश का बजट बनेगा। प्रदेश की राजस्व आय में वृद्धि के सुझाव भी बजट को और अधिक लोक कल्याणकारी स्वरूप देने में सहयोगी होंगे।

ऐसे दे सकते हैं सुझाव

सरकार की ओर से एमपीमाईजीओवी पर सुझाव एवं मार्गदर्शन मांगे गए हैं। यह सुझाव 15 जनवरी 2025 तक लिए जाएंगे। सुझावों के साथ आम नागरिक अपना नाम, शहर, जिला, पिनकोड एवं मोबाइल नंर भी अंकित करना होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारियां शुरू हैं। बजट में आमजन के सुझाव लेने का कार्य पिछले कई सालों से सीधी की सरकार कर रही है। इसी तारतम्य में प्रदेश के आम नागरिक से राज्य के बजट को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव देने को कहा है।

विधानसभा सत्र में सरकार को घेरेगी कांग्रेस

हंगामेदार होगा मध्यप्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र...

वरिष्ठ मंत्रियों के विभाग की कुंडली तैयार कर रही विपक्षी पार्टी

इन्दौर। मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र हंगामेदार होगा। इसके लिए विपक्ष के साथ ही सत्तापक्ष ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद मप्र कांग्रेस अब आक्रामक तेवर अपनाएगी। इसके लिए पार्टी के रणनीतिकार तैयारी में जुट गए हैं।

अपनी रणनीति के तहत कांग्रेस विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रदेश सरकार के साथ ही मंत्रियों को घेरेगी। प्रदेश में भाजपा की मोहन सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस की नजर वरिष्ठ मंत्रियों के विभागों पर है। 16 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विधायकों से चुन-चुनकर प्रश्न लगवाए जा रहे हैं। इसमें कानून-व्यवस्था, पदोन्नति, ओबीसी आरक्षण, महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचार के अलावा कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जुड़े विषय प्रमुख हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ निवेश के प्रस्तावों की स्थिति को लेकर भी सदन में सरकार को घेरने की तैयारी है। कांग्रेस शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है जिनमें से कानून-व्यवस्था, पदोन्नति, ओबीसी आरक्षण, महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचार के अलावा

कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जुड़े विषय प्रमुख हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ निवेश के प्रस्तावों की स्थिति को लेकर भी सदन में सरकार को घेरने की तैयारी है। प्रदेश कांग्रेस ने अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लोगों पर बीते दस माह में हुई अत्याचार की घटनाओं को लेकर अलग-अलग दल बनाकर जांच कराई थी। इनकी रिपोर्ट को आधार बनाकर कानून व्यवस्था के विषय पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास सदन में करने की तैयारी की जा रही है। भोपाल में एमडी ड्रग्स बनने, मादक पदार्थों के बढ़ते उपयोग, अपहरण, महिलाओं और बच्चियों के साथ हुई अत्याचार की घटनाओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही कर्मचारियों से जुड़े पदोन्नति और ओबीसी आरक्षण पर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जाएगी।

कर्मचारियों के मुद्दे अहम

दरअसल, प्रदेश में आठ वर्ष से पदोन्नतियां बंद हैं। हजारों कर्मचारी पात्र होने के बाद भी पदोन्नति के बिना ही सेवानिवृत्त हो गए। कांग्रेस ने ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था, पर न्यायालय में मामला अभी भी लंबित है और 13 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण रोककर रखा गया है। लोक निर्माण विभाग में लगातार अनियमितता के प्रकरण सामने आ रहे हैं तो कई परियोजनाओं पर अभी तक काम ही प्रारंभ नहीं हुआ है।

घोषणाओं को लेकर भी घेरने की तैयारी

किसानों से गेहूं का 2,700 और धान का 3,100 रुपये प्रति क्विंटल देने तो महिलाओं को लाड़ली बहना योजना में 3,000 रुपये देने, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना लागू करने जैसी कई घोषणाएं भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले की थीं, पर क्रियान्वयन अब तक नहीं हुआ। शहरों के मास्टर प्लान अटके हुए हैं तो घर-घर नल से जल पहुंचाने की योजना में भी अनियमितताएं सामने आ रही हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर विधायकों से कहा गया है कि वे विधानसभा में अपने क्षेत्रों के अलावा प्रदेशभर में प्रभाव रखने वाले विषयों को प्रमुखता से उठाकर सरकार से जवाब मांगें। उधर, विधानसभा में उपनेता हेमंत कटारे का कहना है कि आगामी विधानसभा सत्र में हम सरकार से ये वे सभी प्रश्न पूछेंगे, जो जनहित से जुड़े हैं। वित्तीय प्रशासन गड़बड़ाया हुआ है तो रोजगार की बात बेमानी हो गई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com